■ कार्तिक कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 89 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 22-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भारत के भविष्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी के पास स्पष्ट योजना है : कैमरून

6 भारत विरोधी ताकतों का नया शिगूफा है विमानों में बम की धमकी!

7 नायरा बनर्जी ने शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में की खुलकर बात

फर्स्ट टेक

अल्बानिया के पूर्व राष्ट्रपति मेटा धन शोधन के आरोप में गिरफ्तार

तिराना/एपी। अल्बानिया की वामपंथी 'फ्रीडम पार्टी' ने सोमवार को बताया कि पार्टी नेता और पूर्व राष्ट्रपति इलीर मेटा को कथित रूप से धन शोधन के मसमने में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया में आयी खबरों में इसकी जानकारी दी गयी है। स्थानीय मीडिया में आयी खबर के अनुसार, 55 वर्षीय मेटा को राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो के अधिकारियों ने राजधानी तिराना में गिरफ्तार किया गया। पार्टी के महासचिव टेडी ब्लूशी ने इसे राजनीति से प्रेरित आपराधिक कृत्य करार दिया।

वियतनाम ने सैन्य जनरल को नया राष्ट्रपति नियुक्त किया

हनोई/एपी। वियतनाम ने सोमवार को सैन्य जनरल लुओंग कुओंग को अपना नया राष्ट्रपति चुना। वह 18 महीनों में इस पद पर नियुक्त चौथे अधिकारी हैं। नेशनल असेंबली ने कुओंग (67) को टो लैम की जगह राष्ट्रपति बनाया है। टो लैम अगस्त में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में औपचारिक रूप से नियुक्त होने के बाद भी राष्ट्रपति बने रहे। कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव की भूमिका वियतनाम में सबसे शक्तिशाली पद है जबकि राष्ट्रपति पद काफी हद तक औपचारिक है। चार दशकों से अधिक समय तक वियतनाम सेना में सेवा दे चुके कुओंग 2021 से पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं। कुओंग की नियुक्ति वियतनाम की राजनीति में महीनों तक चली उथल-पुथल और पूर्व पार्टी महासचिव गुयेन फू ट्रोंग के निधन के बाद हुई है जो 2011 से देश के नेतृत्व पद पर थे।

पाकिस्तान में 64 साल बाद किया जा रहा हिंदू मंदिर का जीर्णोद्धार

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक हिंदू मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए एक करोड़ पाकिस्तानी रुपए का बजट आवंटित किया गया है जिससे इस मंदिर के जर्जर होने के 64 साल बाद इसके जीर्णोद्धार का पहला चरण शुरू होगा। मीडिया में आयी एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गयी। 'डॉन न्यूज' की खबर के अनुसार, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों की देखरेख करने वाली संघीय संस्था 'इवेक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड' (ईटीपीबी) ने पंजाब में रावी नदी के पश्चिमी तट पर स्थित नारोवाल शहर के जफरवाल नगर में बावली साहिब मंदिर का निर्माण शुरू कर दिया है। यह मंदिर 1960 में जर्जर हो गया था। अभी नारोवाल जिले में कोई हिंदू मंदिर नहीं है जिससे हिंदू समुदाय को धार्मिक अनुष्ठान घर पर ही करने पड़ते हैं या उसके लिए सियालकोट और लाहौर के मंदिरों में जाना पड़ता है।

सूर्यास्त 22-10-2024 5:57 बजे	सूर्योदय 23-10-2024 6:11 बजे
BSE 81,151.27 (-73.48)	NSE 24,781.10 (-72.95)
सोना 8,177 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 99,300 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कड़ी निंदा

आतंकी हमले पर नेता,
करते बहुत कड़ी निंदा।
फर्क नहीं पड़ता पर इससे,
जब तक आतंकी जिन्दा।
दर्द खून दहशत में जीता,
घाटी का हर वाशिंदा।
सुन-सुन कर थोथे बयान,
सारा अवाम है शर्मिंदा।।

भारत उम्मीद की किरण बना, आशा का संचार कर रहा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है।

समाचार चैनल एनडीटीवी की ओर से आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है। उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है 'भारत की शताब्दी।' दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में डूबी है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं। उन्होंने कहा, भारत आज एक विकासशील देश भी है और उभरती हुई शक्ति भी है। हम गरीबी की चुनौतियां भी समझते हैं और प्रगति का रास्ता बनाना भी जानते हैं। हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है।

प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है।

भारत 'हल्के-फुल्के' रिश्तों में यकीन नहीं करता : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत 'हल्के-फुल्के' रिश्तों में यकीन नहीं करता और दुनिया भी इस बात को समझ रही है कि देश के संबंधों की बुनियाद विश्वास तथा विश्वसनीयता के आधार पर होती है। उन्होंने एनडीटीवी विश्व सम्मेलन में यह टिप्पणी कनाडा के साथ भारत के संबंधों में आई कड़वाहट के बीच की है। भारत ने हाल ही में उच्चायुक्त समेत अपने छह राजनयिकों को वापस बुला लिया है और कनाडा के कई राजदूतों को निष्कासित कर दिया है। मोदी ने अपने संबोधन में कनाडा से जुड़ी घटनाओं का कोई सीधा जिक्र नहीं किया।

कट्टरपंथी खालिस्तानी कार्यकर्ता और कनाडाई नागरिक की हत्या में भारत का हाथ होने के कनाडा के आरोपों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में हाल के दिनों में कड़वाहट आई है। भारत ने आरोपों से इनकार किया है और जोर देकर कहा है कि कनाडा अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत देने में असमर्थ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत टेकन फॉर ग्रांटेड (हल्के-फुल्के) रिश्ते नहीं बनाता...हमारे रिश्तों की बुनियाद- विश्वास और विश्वसनीयता के आधार पर है। और ये बात दुनिया भी समझ रही है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी प्रगति दुनिया में खुशहाली लाती है।'' उन्होंने कहा कि दुनिया ने भारत के सफल चंद्रयान मिशन को एक उत्सव की तरह मनाया। उन्होंने कहा, ''भारत आगे बढ़ता है तो जलन का, ईर्ष्या का भाव नहीं पैदा होता। हमारी प्रगति से दुनिया खुश होती है। क्योंकि भारत की प्रगति से पूरी दुनिया को फायदा होगा।''

आतंकवाद, घुसपैठ, धार्मिक तनाव के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भले ही देश ने जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर और नक्सल प्रभावित इलाकों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित कर ली है लेकिन आतंकवाद, घुसपैठ और धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी।

पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शहीद पुलिस कर्मियों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और देश निश्चित रूप से 2047 तक पूरी तरह विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कहा, ''पिछले 10 वर्ष में जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा वामपंथी चरमपंथ से प्रभावित क्षेत्रों में अपेक्षाकृत शांति स्थापित की गयी है। हालांकि, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है। हम मादक पदार्थ, साइबर अपराध, धार्मिक तनाव पैदा करने की साजिश, घुसपैठ और आतंकवाद के खिलाफ लड़ते रहेंगे जो हमारे लिए चुनौतियां पैदा करती रहे हैं।''

गृह मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से 36,438 पुलिसकर्मियों ने देश की सुरक्षा के लिए अपनी जान दी है जिनमें से 216 लोगों ने पिछले साल प्राण न्यौछावर किए। उन्होंने कहा कि देश की विकास यात्रा में बलिदान के लिए देश हमेशा उनका ऋणी रहेगा। शाह ने कहा, ''मैं शहीदों के परिवार के सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। देश सुरक्षित रहेगा, किसी भी चुनौती के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करेगा और भारत 2047 तक निश्चित रूप से एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा।''

गांदेरबल में जान गंवाने वाले

श्रमिकों की मौत का सुरक्षा बल लेंगे बदला : उप राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को कहा कि सुरक्षा बल गांदेरबल में हुए क्रूर आतंकी हमले में जान गंवाने वाले श्रमिकों की मौत का बदला लेंगे और ऐसी कार्रवाई करेंगे जिसे आतंकवादी भविष्य में भी याद रखेंगे।

सिन्हा ने मृतकों के लिए न्याय की जरूरत रेखांकित की। उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि वह क्षेत्र में शांति भंग करने के लिए अभी भी निर्दोष लोगों की हत्या करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने पीड़ितों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने का निर्देश अधिकारियों को दिया। गांदेरबल जिले के गुंड में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले में कश्मीर के एक डॉक्टर और छह प्रवासी मजदूरों सहित सात लोगों की जान चली गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए।

सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा,'' श्रमिकों के खिलाफ हुए क्रूर और बर्बर हमले का बदला लिया जाएगा। मैंने जम्मू-कश्मीर पुलिस, सुरक्षा बलों से ऐसी कार्रवाई करने को कहा है जिसे आतंकवादी और उनके सहयोगी भविष्य में भी याद रखेंगे।''

भारत, चीन पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर गश्त से जुड़े समझौते पर सहमत हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध वाले बाकी बिंदुओं पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं। इस समझौते को पूर्वी लद्दाख में लगभग चार वर्षों से जारी सैन्य गतिरोध के समाधान की दिशा में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संकेत दिए कि यह समझौता विवादित बिंदुओं से सैनिकों की वापसी का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे 2020 में पैदा हुए गतिरोध का समाधान होगा।

समझा जाता है कि यह समझौता देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है।

मिस्री ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''भारत और चीन के राजनयिक एवं सैन्य वार्ताकार पिछले कई हफ्तों से विभिन्न मंचों पर एक-दूसरे के करीबी संपर्क में रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप, भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बनी है, जिससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए गतिरोध का समाधान और सैनिकों की वापसी संभव हो सकेगी।''

मिस्री ने कहा, ''हम इस संबंध में आगे के कदम उठाएंगे।'' हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या मौजूदा समझौता गश्त को लेकर उन अधिकारों को बहाल करता है, जो गतिरोध से पहले मौजूद थे।

भारत-चीन गश्त समझौते पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा,

2020 की स्थिति बहाल होगी

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कहा कि भारतीय और चीनी सैनिक उसी तरह गश्त कर सकेंगे जैसे वे मई 2020 में दोनों पक्षों के बीच सैन्य गतिरोध शुरू होने से पहले करते थे।

पूर्वी लद्दाख में चार वर्षों से अधिक समय से जारी सैन्य गतिरोध के समाधान के लिए भारत-चीन के बीच एक समझौते पर सहमति बनने के बाद जयशंकर ने यह टिप्पणी की।

विदेश सचिव द्वारा पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त पर समझौते की घोषणा के तुरंत बाद जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। 'एनडीटीवी समिट' के एक सत्र में जयशंकर ने कहा, ''हम गश्त के साथ सैन्य वापसी पर एक समझौते पर सहमत हुए, जिसके तहत 2020 की स्थिति बहाल हो गई। हम कह सकते हैं कि चीन के साथ सैन्य वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह एक अच्छा कदम है; यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है और मैं कहूंगा कि यह बहुत ही संयमित और बहुत ही दृढ़ कूटनीति का नतीजा है।''

गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों के संदर्भ में

उच्चतम न्यायालय ने एनसीपीसीआर की सिफारिश पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की उस सिफारिश पर रोक लगा दी है जिसमें राज्यों से गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने मुस्लिम संगठन जमियत उलेमा-ए-हिंद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता की दलीलों पर गौर किया कि एनसीपीसीआर की सिफारिश और कुछ राज्यों की ओर से इसके परिणामस्वरूप की गई कार्रवाई पर रोक लगाने की आवश्यकता है।

संगठन ने उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा सरकारों के उस निर्देश को चुनौती दी है जिसमें कहा गया है कि गैर-मान्यता प्राप्त मदरसों के छात्रों को सरकारी स्कूलों में स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने आदेश दिया कि इस वर्ष सात जून और 25 जून को जारी एनसीपीसीआर के सिफारिश पर कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए।

उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा कि इसके परिणामस्वरूप किए गए राज्यों के आदेश भी स्थगित रहेंगे।

न्यायालय ने मुस्लिम संस्था को उत्तर प्रदेश और त्रिपुरा के अलावा अन्य राज्यों को भी अपनी याचिका में पक्षकार बनाने की अनुमति दी।

कोयंबटूर कार बम विस्फोट मामले में तीन और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 2022 के कोयंबटूर कार बम विस्फोट मामले में सोमवार को तीन और लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने आतंकी संगठन आईएसआईएस से प्रभावित होकर यह विस्फोट किया था। एनआईए की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, अबू हनीफा, सरन मरियप्पन और पावस रहमान की गिरफ्तारी के साथ जांच एजेंसी ने मामले में आतंकी वित्तपोषण के पहलू का पता लगाया है।

'जब तक पाकिस्तान आतंकी हमले बंद नहीं करता, तब तक उससे बातचीत नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

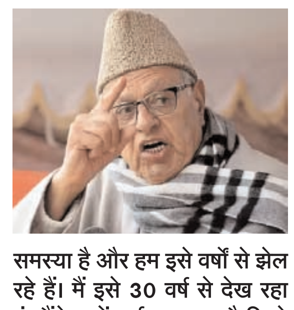

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए सोमवार को कहा कि अगर इस्लामाबाद भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखना चाहता है तो उसे यहां आतंकवादी घटनाएं रोकनी होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा कि जब तक पड़ोसी देश जम्मू-कश्मीर में हत्याएं बंद नहीं करता, तब तक भारत और पाकिस्तान के बीच कोई बातचीत नहीं हो सकती।

अब्दुल्ला ने रविवार को गांदरबल जिले में एक निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले पर टिप्पणी करते हुए कहा, ''मुझे नहीं पता कि भारत को क्या कदम उठाना चाहिए, यह केंद्र सरकार का अधिकार क्षेत्र है। यह हमारे लिए एक समस्या है और हम इसे वर्षों से झेल रहे हैं। मैं इसे 30 वर्ष से देख रहा हूं। मैंने उन्हें कई बार कहा है कि वे इसे रोकें लेकिन उनकी सोच ही ऐसी है।'' उन्होंने कहा, ''बातचीत कैसे हो सकती है? आप हमारे निर्दोष लोगों को मारते हैं और फिर बातचीत के लिए कहते हैं। पहले हत्याएं करना बंद करो।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस हमले को दर्दनाक घटना बताते हुए कहा कि इसमें यहां आजीविका कमाने आए गरीब लोग मारे गए।

अब्दुल्ला ने कहा, ''यह बहुत ही दर्दनाक घटना है। गरीब मजदूर यहां आजीविका के लिए आते हैं ताकि वे अपने परिवारों का पेट भर सकें। इन दरिंदों ने उनकी हत्या कर दी। उनके साथ मारे गए लोगों में हमारा एक चिकित्सक भी था। उसने भी अपनी जान गंवा दी।''

गांदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सुरंग निर्माण स्थल पर हुए आतंकवादी हमले में एक स्थानीय चिकित्सक और छह गैर स्थानीय श्रमिकों की मौत हो गयी तथा पांच अन्य लोग घायल हो गए। अब्दुल्ला ने कहा कि यदि आतंकवादी सोचते हैं कि वे इस तरह के कृत्यों से जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी हुकूमत स्थापित कर लेंगे तो यह उनकी गलतफहमी है।

नेकां अध्यक्ष ने कहा, ''इन दरिंदों को क्या मिलेगा? क्या वे सोचते हैं कि वे यहां पाकिस्तान स्थापित करेंगे? हम कई वर्षों से देख रहे हैं कि वे (आतंकवादी) वहां से आ रहे हैं। हम इस समस्या को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि हम अपनी मुश्किलों से बाहर आ सकें। मैं पाकिस्तान के शासकों से कहना चाहता हूं कि अगर वे वास्तव में भारत के साथ दोस्ती चाहते हैं तो उन्हें यह बंद कर देना चाहिए।

भारत का बहुत खास मित्र है भूटान : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को भूटान को ''भारत का बहुत खास मित्र'' बताया और कहा कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग और भी बेहतर होगा। मोदी ने यह टिप्पणी भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे के साथ एक बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर की। तोबगे ने कहा, ''अपने मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलकर मुझे हमेशा खुशी होती है। भारत सरकार और भारत के लोगों के प्रति उनकी सद्भावना और दृढ़ सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। हमने मित्रता के अपने विशेष बंधन को और अधिक मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी।''

करवा चौथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के राजस्थानी समाज की महिलाओं द्वारा रविवार को करवा चौथ पर्व के मौके पर व्रत रखकर पूजा की तथा पति की लम्बी उम्र की कामना की। महिलाओं ने रात्रि में चांद के दर्शन कर व्रत खोले।

विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के पोरवाल यूथ फोरम द्वारा आयोजित 15वीं पोरवाल प्रीमियर लीग के क्रिकेट टूर्नामेंट में 6 टीमों ने भाग लिया। फाइनल में माइटी मेवरिक्स और गोल्डन वॉरियर्स के बीच हुआ जिसमें गोल्डन वॉरियर्स टीम ने 4 विकेटों से अपनी जीत दर्ज करवाई। मैन ऑफ दि मैच का खिताब राजेश को दिया गया।

जीवन में संपदा और विपदा दोनों का आना-जाना अनिवार्य है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्त विराजित मुनिश्री विनयमुनिजी ने अपने प्रवचन में जंबू दीप प्रज्ञप्ति के 16वें सूत्र पर प्रवचन करते हुए कहा कि संपदा और विपदा दोनों जीवन में अनिवार्य आती-जाती रहती है। संपदा के समय यदि अंहकारी बन गए और विपदा के समय घबरा गए तो समझना कि हम जीवन की हार की तरफ जा रहे है। मन को शिक्षित करना, इन्सान की सबसे बड़ी चुनौती है। मन के सामने अनुकूलता के प्रसंग बनते है, तब मन प्रसन्न हो जाता है और प्रतिकूलता के निमित सामने आने पर मन में क्रोध मान में आ जाता है, ऐसे समय समझ लेना कि हमने जीवन में धन, वैभव, रिद्धि, सिद्धि भले ही कमाई है पर करोड़ो जोड़ कर भी मन से हार गए। मन की धारा को शांत करना सीखना है। मन पर कुछ भी नकार लेने की बजाय सहजतामय बनाना यही से हमारी जीत शुरू होती है। जन्म-मृत्यु जीवन के दो किनारे है ,उन किनारों में एक जीवन शुरु कराता है दूसरा उस जीवन का अंत कराता है।

संपदा और विपदा ये पुण्यपाप के फल है परन्तु दोनों मन की समता-सहजता और मृदुतामय संवेदन भावों में आत्मा को बनाए रखना ही अध्यात्म की साधना का फल मिल रहा है। आत्मानंदमय आत्मा स्व में रमण करना सीख लेती है। यही सूत्र और चरित्र का सार है। संघ महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

सरकार भारत में विमानों के डिजाइन और विनिर्माण की दिशा में काम करेगी : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार उद्योग जगत की मदद से भारत में विमानों की 'डिजाइनिंग' तथा विनिर्माण की दिशा में काम करेगी।

भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को अगस्त में लोकसभा द्वारा पारित किया गया था। इसमें विमान के 'डिजाइन' व विनिर्माण को विनियमित करने के प्रावधान शामिल हैं, जो आत्मनिर्भर भारत पहल को बल देता है। मंत्री ने कहा, ''हम भारत में ही विमानों को 'डिजाइन' और उनका विनिर्माण करना चाहते हैं। हम एचएएल (हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि.), एनएएल (नेशनल एयरोस्पेस लैबोरेटरीज) तथा अन्य उद्योग भागीदारों से सहायता ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''भविष्य में हम ऐसी स्थिति चाहते हैं जहां हम न केवल घरेलू मांग के लिए पूरी दुनिया की मांग के लिए भी विमानों का निर्माण करें... हम इस दिशा में आगे बढ़ने जा रहे हैं।'' सार्वजनिक क्षेत्र की एचएएल पहले से ही छोटे नागरिक विमानों का विनिर्माण कर रही है, लेकिन छोटे पैमाने पर।

विमानों में बम रखे होने की धमकियों से निपटने के लिए विधायी कार्रवाई की योजना बना रही है सरकार : नायडू

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि विमानों में बम रखे होने की धमकियों की घटनाओं से निपटने के लिए सरकार विधायी कार्रवाई की योजना बना रही है, जिनमें ऐसी धमकी देने वालों के नाम 'उड़ान-निषिद्ध' सूची में डालना शामिल है। पिछले एक सप्ताह में भारतीय विमानन कंपनियों की करीब 100 उड़ानों में बम रखे होने की धमकियां मिली हैं। नायडू ने बताया कि सरकार विमानन सुरक्षा नियमों और 'नागरिक विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गैर-कानूनी कृत्यों का दमन अधिनियम, 1982' में संशोधन करने की योजना बना रही है।

लक्ष्मी से पहले जीवन में लाएं सरस्वती : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

बुद्धि वीर वाटिका में होगी ज्ञान और सरस्वती की साधना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका में ज्ञान और सरस्वती साधना के संबंध में श्रद्धालुओं को तलस्पर्शी मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए लक्ष्मी और सरस्वती, दोनों की आवश्यकता रहती हैं, लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि लक्ष्मी सरस्वती के साथ अथवा सरस्वती के बाद आनी चाहिए। यदि लक्ष्मी पहले आ गई तो वह बाद में सरस्वती को आने नहीं देगी, क्योंकि लक्ष्मी यह समझती है कि मैं ही महत्वपूर्ण हूं और मेरे अलावा जीवन में किसी की आवश्यकता नहीं है। अकेली लक्ष्मी का पहले आ जाना खतरनाक है। वह हमारी बुनियाद हिला सकती है। इतिहास साक्षी है कि सरस्वती के बिना आई हुई लक्ष्मी ने सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं, पूरे के पूरे खानदानों को तबाह कर दिया। बड़े-बड़े राजा-महाराजा, सेठ-साहूकार और सल्तनतें सरस्वती के अभाव में सिर्फ लक्ष्मी और वैभव के पीछे भागकर इस कदर तबाह हुईं कि उन्हें जलाने या दफन करने वाला भी कोई न मिला। सबका नामोनिशां पूरी तरह मिट गया। इसलिए जीवन का आधार लक्ष्मी पर नहीं, सरस्वती पर होना चाहिए। सरस्वती लक्ष्मी को आने से नहीं रोकती। सरस्वती के बाद आई हुई लक्ष्मी जीवन को समृद्ध और भव्य बनाती है। सरस्वती लक्ष्मी के सही उपयोग की कला भी सिखलाती है। सरस्वती द्वारा नियंत्रित लक्ष्मी अखूट पुण्य और प्रारब्ध का निर्माण करती है। आचार्य विमलसागर सूरीश्वरजी ने कहा कि लक्ष्मी धन की अधिष्ठात्री है, जबकि सरस्वती ज्ञान की देवी है। दोनों शक्तिशाली हैं, लेकिन दोनों के स्वभाव और प्रभाव में मौलिक अंतर है। लक्ष्मी चंचला है। कब आती हैं और कहां चली जाती हैं, पता ही नहीं चलता। लक्ष्मी आने के बाद अपने स्वभाव के अनुरूप वह मनुष्य को चलायमान, बड़बोला, अभिमानी, मतलबी, मनस्वी, पापमार्गी बना देती हैं। वह स्थिरता और शांति से जीने नहीं देती। सरस्वती स्थिरा है। वह जब आती है तो मनुष्य के जीवन को ज्ञान, बुद्धि, विद्या, विवेक, धीरता, शांति, सदाचार, संस्कार आदि से ओतप्रोत बना देती है। वह जीवन को स्थिरता देती है। अकेली लक्ष्मी से जीवन जोखिम में पड़ जाता है, बरबाद भी हो सकता है। दूसरी ओर अकेली सरस्वती से जीवनयापन नहीं होता। केवल पांडित्य से काम नहीं चलता, पेट भरने और जिंदगी जीने के लिए और भी बहुत कुछ चाहिए होता है। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि मैसूर में पहली बार बुद्धि वीर वाटिका में पांच दिवसीय ज्ञान और सरस्वती की विधियुक्त साधना 24 अक्तूबर से प्रारंभ हो रही है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया आराधना में 700 से अधिक साधक निरंतर पांच दिन तक यहां बीजमंत्रों की साधना करेंगे। तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

उज्जैन में हरिद्वार की तर्ज पर स्थायी आश्रम तैयार किए जाएंगे: मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को कहा कि संतों, साधुओं और अन्य धार्मिक नेताओं को हरिद्वार की तर्ज पर उज्जैन में स्थायी आश्रम बनाने की अनुमति दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले सिंहस्थ मेले की तैयारियों को लेकर संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। यादव ने कहा, ''उज्जैन को संतों के लिए जाना जाता है। 12 साल में एक बार आयोजित होने वाला सिंहस्थ मेला 2028 में आयोजित होने जा रहा है। शहर में साधुओं और संतों को रहने और अन्य गतिविधियों के लिए उचित स्थान की आवश्यकता होती है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने संतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्थायी आश्रम बनाने की योजना बनाई है।'' हरिद्वार में साधुओं और संतों के लिए दी जा रही सुविधाओं की तरह उज्जैन में भी स्थायी आश्रम बनाए जाएंगे और उज्जैन विकास प्राधिकरण इस योजना को लागू करेगा। संत, महंत, अखाड़ों के प्रमुख और अन्य धार्मिक नेता सभी को आमंत्रित कर आश्रम बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। सिंहस्थ मेले के मद्देनजर सड़क, बिजली, पेयजल आदि जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी काम किया जाएगा। हरिद्वार की तर्ज पर उज्जैन को भी धार्मिक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए जनप्रतिनिधियों की मदद से योजना तैयार की गई है।

मोबाइल पर मांगे गए पैसे को कभी न दें, एजेंसियां फोन पर काम नहीं करतीं: एस पी ओसवाल

नई दिल्ली/ भाषा। वर्धमान समूह के चेयरमैन एस पी ओसवाल ने आगाह किया है कि जब साइबर अपराधी जांच अधिकारी बनकर पैसे मांगते हैं, तो कभी भी पैसे हस्तांतरित न करें। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियां टेलीफोन पर काम नहीं करतीं। ओसवाल हाल में साइबर अपराधियों के अंतरराज्यीय नेटवर्क का शिकार हुए थे। ओसवाल ने सलाह दी कि ऐसे अपराधियों से निपटने के लिए निजी वकील की मौजूदगी में उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए कहना चाहिए। अगस्त अंत में अंतरराज्यीय साइबर जालसाजों के हाथों सात करोड़ रुपए की ठगी के बाद कपड़ा कारोबारी ने बताया कि उन्हें पता है कि 'डिजिटल कस्टडी' नाम की कोई चीज नहीं होती है, इसलिए जालसाजी में फंसाने के लिए कोई फोन आए तो उस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

तेरापंथ महिला मंडल ने की 'आत्मा का विमोचन' विषयक कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में 'आत्मा का विमोचन' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि आत्मा अनेक भावों को साथ लेकर चलती है। जैसे-जैसे भाव प्रकट होते है आत्मा की अवस्था वैसी रहती है। निषेधात्मक प्रवृत्ति या चिंतन का विमोचन करना ही आत्मा का विमोचन है। आत्म विमोचन के मुख्य बिंदु है पहले परिग्रह विमोचन, कषाय का विमोचन और आसक्ति का विमोचन। व्यक्ति के जीवन में उपकरण जितने कम होंगे उतनी ही साधना के लिए समय ज्यादा मिलता है। आत्म साधना को बढ़ाना है तो अनावश्यक संग्रह नहीं करना चाहिए।

इस तरह परिग्रह के विमोचन से आत्मा का विमोचन हो सकता है। कषाय विमोचन यानी क्रोध, मान, माया, लोभ का विमोचन करना चाहिए।

आत्मा के भारीपन को हल्का करना है अगर हमें मोक्ष की ओर अग्रसर होना है तो क्रोध, मान, माया एवं लोभ रूपी कषायों का विमोचन करने की कोशिश करते रहना है। जीवन में सबसे बड़ा विमोचन आसक्ति का करना चाहिए। आसक्ति, इसी के वजह से आत्मा का विमोचन नहीं हो रहा है। हम सब संकल्प करें कि जितना संग्रह करते हैं उसके साथ-साथ विसर्जन करने की भावना भी हमें रखनी चाहिए। इस मौके पर उपाध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा, मंत्री ज्योति संचेती, कोषाध्यक्ष किरण गिलुंडिया, सहमंत्री वीणा पोरवाल, संगठनमंत्री पवन संचेती, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया, पूर्व अध्यक्ष निर्मला गादिया आदि उपस्थित थीं। मंत्री ज्योति संचेती ने धन्यवाद दिया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने भड़काऊ घटनाओं पर जनता को कानून अपने हाथ में न लेने की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने यहां हाल में एक मंदिर में मूर्ति को अपवित्र किए जाने की घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सोमवार को कहा कि लोगों को कानून अपने हाथ में लेने की जरूरत नहीं है और उन्हें दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पर भरोसा रखना चाहिए।

मूर्ति अपवित्र किए जाने की घटना के आरोपी सिकंदराबाद में जिस होटल में ठहरे थे वहां भीड़ द्वारा तोड़फोड़ करने की कोशिश किए जाने के संदर्भ में मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के लोगों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने लोगों से सरकार के साथ सहयोग करने का आग्रह भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर कोई कानून को अपने हाथ में लेने या गलत काम करने वालों को दंडित करने का प्रयास करता है, तो अपराध करने वालों और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करने वालों में कोई बड़ा अंतर नहीं रह जाएगा। पुलिस अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने यहां पुलिस झंडा दिवस परेड के दौरान कहा कि अगर किसी अवांछनीय घटना के संबंध में कोई शिकायत दर्ज की जाती है तो तेलंगाना सरकार कड़ी कार्रवाई करने के लिए तैयार है।

गांदरबल आतंकी हमला : व्यापक तलाशी अभियान शुरू, एनआईए ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किये

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के गंदेरबल में एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद सुरक्षा बलों ने सोमवार को क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया। साथ ही राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अधिकारियों ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किये हैं।

गांदरबल जिले के गुंड में रविवार को एक निर्माणाधीन सुरंग में हुए आतंकवादी हमले में कश्मीर के एक डॉक्टर एवं छह प्रवासी मजदूरों समेत सात लोगों की जान चली गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि सेना, सीआरपीएफ और पुलिस के जवान कश्मीर में गैर-स्थानीय मजदूरों पर हुए सबसे घातक हमलों में शामिल आतंकवादियों और उनके सहयोगियों का पता लगाने के लिए निर्माण स्थल के आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान चला रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, ''अभी तक गिरफ्तारी के मामले में कोई प्रगति नहीं हुई है, लेकिन हमें कुछ सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे हम हमले में संलिप्त आतंकवादियों तक पहुंच सकेंगे।''

अधिकारियों ने बताया कि जिले के गुंड इलाके में एक सुरंग परियोजना पर कार्यरत मजदूर एवं अन्य कर्मी देर शाम जब अपने शिविर में लौटे तब अज्ञात आतंकवादियों ने उन पर हमला कर दिया।

'देश की आर्थिक वृद्धि को मजबूत घरेलू क्षेत्र से मिल रहा समर्थन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश के वृद्धि परिदृश्य को विकास को गति देने वाले 'इंजन' से समर्थन मिल रहा है और वैश्विक स्तर पर तनाव के बावजूद निजी निवेश के मामले में कुछ उत्साहजनक संकेत मिल रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अक्टूबर के बुलेटिन में यह कहा गया है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2024 की पहली छमाही में मजबूत रही। मुद्रास्फीति में गिरावट से घरेलू खर्च को समर्थन मिला।

बुलेटिन में प्रकाशित 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर एक लेख में कहा गया है कि मौद्रिक नीति में नरमी के बीच वृद्धि की स्थिर गति ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं में चर्चा का विषय बन रही है। इसमें कहा गया है, ''वैश्विक स्तर पर जारी तनाव के बावजूद, भारत के वृद्धि परिदृश्य को मजबूत घरेलू इंजन से समर्थन मिल रहा है।''

सॉफ्टी आइसक्रीम डेयरी उत्पाद नहीं, 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा: अग्रिम निर्णय प्राधिकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वनीला स्वाद में तैयार सॉफ्टी आइसक्रीम 'मिक्स' डेयरी उत्पाद नहीं है और उसपर 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगेगा। अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) की राजस्थान पीठ ने यह निष्कर्ष दिया है। वीआरबी कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लि. ने पाउडर के रूप में वनीला मिश्रण पर कर को लेकर एएआर से संपर्क किया था। उसे उत्पाद के बारे में कहा था कि इसमें 61.2 प्रतिशत चीनी, 34 प्रतिशत दूध के ठोस पदार्थ (स्किम्ड मिल्क पाउडर) और स्वाद बढ़ाने वाले पदार्थ और नमक सहित 4.8 प्रतिशत अन्य सामग्री शामिल है।

एएआर ने पाया कि मुलायम और मलाईदार उत्पाद बनाने में प्रत्येक कच्चे माल की एक विशिष्ट भूमिका होती है। इसके अलावा, यह भी महत्वपूर्ण है कि न केवल उत्पाद की सामग्री, बल्कि 'सॉफ्ट सर्व' यानी आइसक्रीम बनाने की मशीन में किया गया प्रसंस्करण भी 'सॉफ्ट सर्व' को चिकनी और मलाईदार बनावट देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीएसटी कानून के अनुसार प्रसंस्करण के जरिये मानव उपभोग के लिए तैयार किये गये भोजन पर 18 प्रतिशत कर लगता है। इसके अलावा दूध पाउडर, चीनी और किसी भी अन्य अतिरिक्त सामग्री, जेली, आइसक्रीम और इसी तरह की तैयारी पर भी 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है।

प्राधिकरण ने कहा, ''यह भी स्पष्ट है कि जिस उत्पाद पर सवाल उठाये गये हैं, उसे डेयरी उत्पाद नहीं कहा जा सकता है।'' इस प्रकार, उत्पाद 'वनीला मिक्स' यानी वनीला स्वाद में सूखी सॉफ्टी आइसक्रीम (कम वसा) पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

एएमआरजी एंड एसोसिएट के वरिष्ठ भागीदार रजत मोहन के अनुसार, फैसले में कहा गया है कि उत्पाद का मुख्य कच्चा माल चीनी है, न कि दूध का ठोस पदार्थ। इससे यह डेयरी आधारित उत्पाद के बजाय प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद बन जाता है। मोहन ने कहा, ''... यह निर्णय जीएसटी वर्गीकरण निर्धारित करने में प्रमुख सामग्रियों और विनिर्माण प्रक्रियाओं के महत्व को रेखांकित करता है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध

FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

कांग्रेस की सीईसी ने महाराष्ट्र में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए संभावित उम्मीदवारों के नामों पर सोमचार को चर्चा की।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित सीईसी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी रमेश चेन्निथला, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले और महाराष्ट्र से जुड़े कुछ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब महाराष्ट्र में महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पटोले ने कहा कि 30-40 सीट लेकर गतिरोध है, लेकिन शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेतृत्व के साथ बातचीत करके जल्द समाधान कर लिया जाएगा। बैठक से पहले पटोले ने कहा, ''हमने (स्क्रीनिंग कमेटी) 96 सीट पर चर्चा की है। कुछ सीटों पर अभी चर्चा नहीं हुई है। शरद पवार जी और उद्धव ठाकरे से बात करेंगे। 30-40 सीट पर जो दिक्कत हो गई, उसे दूर करने लिए हम रास्ता निकालेंगे।''

निरीक्षण

बेंगलूरु में चल रही भारी बारिश में सोमवार को शहर के नालों और अन्य पानी से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक एवं विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवाडी नारायण स्वामी एवं अन्य।

चन्नपट्टना में उम्मीदवार की घोषणा दो दिन में : आर. अशोक

बेंगलूरु। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि चन्नपट्टना उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार लड़ेंगे चुनाव। यह जद एस का निर्वाचन क्षेत्र है इसलिए उनकी सलाह महत्वपूर्ण है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, ''मैंने सीपी योगेश्वर को भी प्रभावित करने की कोशिश की। चन्नपट्टना सीट के टिकट को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। हमने वरिष्ठ नेताओं से योगेश्वर को टिकट देने का अनुरोध किया है। पहले इस क्षेत्र से एचडी कुमारस्वामी विधायक थे और उनका फैसला अहम होगा। मुझे नहीं लगता कि योगेश्वर जल्दबाजी करेंगे या गलत निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशी को टिकट मिल सकता है। उन्होंने कहा कि निखिल कुमारस्वामी पहले ही कह चुके हैं कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। चूंकि सीट उनकी है और एनडीए साझेदार है, इसलिए जद (एस) की सलाह महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि दो दिन में सब कुछ तय हो जाएगा।

कांग्रेस के उम्मीदवारों के नाम तय, सूची आलाकमान को भेजी जाएगी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम लगभग तय कर लिये हैं और इसकी सूची जल्द ही आलाकमान को भेजी जाएगी, जो इस संबंध में (अंतिम) निर्णय लेगा। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि मंत्रियों को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है कि पार्टी तीनों सीट पर उपचुनाव जीते। संदूर, शिगगांव और चन्नपटना विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को उपचुनाव होंगे।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने (उम्मीदवारों के नाम) लगभग तय कर लिए हैं, हमने अपने मंत्रियों की राय मांगी है। उन्हें जिम्मेदारियां दी गई हैं...हम अपना प्रस्ताव दिल्ली (आलाकमान) को भेजेंगे, वे चर्चा करेंगे और निर्णय लेंगे।''

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह यह नहीं बता सकते कि प्रत्येक सीट के लिए कितने संभावित उम्मीदवारों के नाम आलाकमान को सुझाए जाएंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर तथा नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है।संदूर, शिगगांव और चन्नपटना के प्रतिनिधियों– क्रमश: कांग्रेस के ई तुकाराम, भाजपा नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और जनता दल–सेक्युलर (जद–एस) के केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के मई में चुनावों में लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद ये सीट रिक्त हो गई थीं।

शिवकुमार ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता उनके भाई और बेंगलूरु ग्रामीण के पूर्व सांसद डी के सुरेश के लिए चन्नपटना से टिकट की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने उनसे कहा है कि हम पार्टी आलाकमान का कहना मानेंगे। मैं अभी तक लोकसभा चुनाव में (सुरेश की) हार के सदमे से बाहर नहीं आया हूं, लेकिन हम लोगों की सेवा करते रहेंगे।'' सुरेश ने भी रविवार को कहा था कि उन पर चन्नपटना सीट पर होने वाले उपचुनाव में लड़ने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का दबाव है।

शिवकुमार ने जद (एस) नेता और केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी के इस दावे का भी खंडन किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं विधान परिषद के सदस्य सी पी योगीश्वर चन्नपटना टिकट के लिए कांग्रेस के संपर्क में हैं। उन्होंने कुमारस्वामी पर निशाना साधते हुए कहा, मैंने योगीश्वर से मुलाकात नहीं की है और न ही उनसे बात की है, मैंने यह बात ऑन रिकॉर्ड कही है। मैंने उन्हें आखिरी बार स्वतंत्रता दिवस के आधिकारिक समारोह में देखा था, जिसमें उन्होंने विधान परिषद के सदस्य के तौर पर भाग लिया था... हमें उनसे (योगीश्वर से) क्यों मिलना चाहिए, वह दूसरी पार्टी के विधान परिषद सदस्य हैं। हम अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच से उम्मीदवार की तलाश कर रहे हैं।

भाजपा ने संदूर और शिगगांव सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही कर दी है और उसने चन्नपटना सीट अपने गठबंधन सहयोगी जद (एस) के लिए छोड़ दी है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि योगीश्वर ने अपनी उम्मीदवारी का खुले तौर पर दावा किया है और टिकट न मिलने की स्थिति में निर्दलीय के तौर पर चुनाव लड़ने का भी संकेत दिया है।

पुरोहित सम्मेलन

बेंगलूरु में मंदिरों के पंडितों के एक संगठन द्वारा विशाल पुरोहित सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, दिनेश गुंडूराव, रामलिंगा रेड्डी ने आदि ने भाग लिया। कर्नाटक के सभी हिन्दू मंदिरों के पुजारी संघ के अध्यक्ष डॉ. केई राधाकृष्णा, प्रधानमहासचिव केएसएन दीक्षित समेत अनेक पदाधिकारियों की उपस्थिति में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का सम्मान किया गया।

पुलिस को स्वतंत्र रूप से काम करने के लिए पूरा सहयोग : सिद्दरामय्या

- पुलिस आवासीय भवनों के निर्माण के लिए 2000 करोड़ आवंटित
- 200 करोड़ की लागत से बन रहे हैं 100 नए स्टेशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि हमारी सरकार पुलिस को स्वतंत्र और स्वतंत्र रूप से काम करने में पूरा सहयोग देगी। पुलिस स्मृति दिवस पर उन्होंने शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी और अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों की जान–माल की रक्षा करने वाले पुलिस कर्मियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए हमने 2025 में 10 हजार पुलिस आवासीय भवनों के निर्माण के लिए 2000 करोड़ रुपये दिये हैं। साथ ही 200 करोड़ की लागत से 100 नए स्टेशन बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने घोषणा की कि पुलिस बच्चों के लिए 7 महत्वपूर्ण स्थानों पर 7 पब्लिक स्कूल खोले जाएंगे। उन्होनें कहा कि पिछले एक साल में देश में 216 और प्रदेश में 12 पुलिस जवान और अधिकारी ड्यूटी के दौरान शहीद हुए हैं। मैं उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और परिवार के दुख में शामिल हूं। उन्होंने कहा कि ये सभी देश और प्रदेश में कानून–व्यवस्था बनाए रखते हुए, लोगों के जीवन और सम्मान की रक्षा करते हुए शहीद हुए हैं। हमारे पुलिसकर्मी देश में आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने, हिंसा, अपराध और आपदाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, इसलिए उनकी जिम्मेदारी बहुत बड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस समाज में असमानता होगी, वहां शोषण और अत्याचार तो होंगे ही। हमारी पुलिस ही इन उत्पीड़ित लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा में मुख्य भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा, सरकार उनके साथ रहेगी। उन्होंने बताया कि अपराध रोकने के लिए 6000 हजार सीसी कैमरे और 260 से ज्यादा हाईवे पेट्रोलिंग गाड़ियां ड्यूटी पर हैं। बैठक में गृह मंत्री जी परमेश्वर, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश, अपर मुख्य सचिव एलके अतीक, गृह सचिव उमाशंकर, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, नसीर अहमद, राज्य पुलिस महानिदेशक आलोक मोहन उपस्थित थे।

कल जारी होगी कित्तूर रानी चेन्नम्मा पर डाक टिकट : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाली कर्नाटक की बहादुर महिला रानी चेन्नम्मा के सम्मान में एक डाक टिकट जारी करने का फैसला किया है। कित्तूर रानी चेन्नम्मा की अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में पहली जीत 23 अक्टूबर को हुई थी। यह ऐतिहासिक जीत अब 200 साल पुरानी है और इसकी याद में केंद्र सरकार चेन्नम्मा का डाक टिकट जारी कर रही है।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार इस महीने की 23 तारीख को कित्तूर रानी चेन्नम्मा डाक टिकट जारी करेगी, जिसके माध्यम से वह रानी चेन्नम्मा और कन्नड़ राष्ट्र को अभूतपूर्व श्रद्धांजलि दे रही है।

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी के नेतृत्व में राज्यसभा सदस्य एरन्ना कडाडी, सांसद विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, विधायक अरविंद बेलाड, अभय पाटिल, पूर्व सांसद अन्नासाहेब जोले और कित्तूर कर्नाटक क्षेत्र के अन्य प्रमुख लोगों ने चार–पांच दिन पहले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से मुलाकात की थी, और संबंध में एक अनुरोध प्रस्तुत किया था प्रह्लाद जोशी ने बताया कि केन्द्र सरकार ने अनुरोध स्वीकार कर लिया और कित्तूर रानी चेन्नम्मा डाक टिकट जारी करने का त्वरित निर्णय लिया और अंग्रेजों के खिलाफ पहली जीत के ऐतिहासिक दिन पर इसे जारी करने की कार्रवाई की। केंद्र सरकार ने त्वरित निर्णय लिया है और रानी चेन्नम्मा डाक टिकट जारी कर वीर नारी को श्रद्धांजलि दे रही है।

बेंगलूरु में भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हो गया और कई निचले इलाकों तथा सड़कों पर पानी भर गया है। बेंगलूरु के उपायुक्त (शहरी) जगदीश जी. ने भारी बारिश के बीच सोमवार को स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने का आदेश दिया है। बेंगलूरु में एक सप्ताह के भीतर भारी बारिश के कारण स्कूल बंद किए जाने के आदेश दूसरी बार जारी किए गए हैं।

बारिश के बीच यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जलमग्न सड़कों से गुजरे। शहर के कई स्थानों में पेड़ गिर जाने के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार के लिए बेंगलूरु में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी के बुलेटिन में कहा गया है, बेंगलूरु शहरी और ग्रामीण जिलों में अलग–अलग स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग देश में मौसम संबंधी अलर्ट जारी करने के लिए चार रंगों का उपयोग करता है। ये रंग और इनके संदेश.... ग्रीन (किसी कार्रवाई की जरूरत नहीं), येलो (नजर रखें और निगरानी करते रहें), ऑरेंज (तैयार रहें) और रेड (कार्रवाई/सहायता की जरूरत) हैं। 'ऑरेंज अलर्ट' का अर्थ है संभावित बिजली कटौती और परिवहन, रेल, सड़क तथा हवाई यात्रा में संभावित व्यवधान के लिए तैयार रहें।

रेल चौपाल में स्वच्छता पर चर्चा

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। भारतीय रेलवे के स्वच्छता अभियान 4.0 के तहत एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल चौपाल का आयोजन किया गया। भारतीय रेलवे के चल रहे स्वच्छता अभियान 4.0 के तहत मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) हर्ष खरे के नेतृत्व में एसएसएस हुब्बल्ली रेलवे स्टेशन पर रेल चौपाल का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एडीआरएम संतोष के. वर्मा एवं संजय कुमार सिंह, तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह कार्यक्रम भारतीय रेलवे स्वच्छता अभियान 4.0 का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य यात्रियों से सीधे जुड़ना था। इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य यात्रियों से सीधे जुड़ना, स्वच्छता पर फीडबैक प्राप्त करना तथा स्टेशन की स्वच्छता के बारे में उनकी चिंताओं और सुझावों का समाधान करना था। बातचीत के दौरान डीआरएम हर्ष खरे ने मंडल के स्टेशनों पर स्वच्छता में सुधार के लिए भारतीय रेलवे द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यात्रियों को स्वच्छता अभियान के तहत कार्यान्वित की गई विभिन्न पहलों के बारे में भी जानकारी दी, जिसके कारण स्वच्छता मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। कार्यक्रम में उपस्थित यात्रियों ने स्टेशनों पर साफ–सफाई की सराहना की तथा रेलवे द्वारा उठाए गए कदमों पर संतोष व्यक्त किया। कई लोगों ने स्वच्छता मानकों को और बेहतर बनाने के लिए बहुमूल्य सुझाव भी दिए। हर्ष खरे ने आश्वासन दिया कि यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उनकी प्रतिक्रिया पर विचार किया जाएगा। इसी तरह की रेल चौपाल हुब्बल्ली डिवीजन, दक्षिण–पश्चिम रेलवे के धारवाड़, बेलगावी और बागलकोट रेलवे स्टेशनों पर भी आयोजित की गई। डीआरएम ने रेलवे सेवाओं को अधिक कुशल और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने में यात्रियों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में यात्रियों ने भाग लिया, जो चल रही पहलों में उनकी रुचि को दर्शाता है।

'रेल चौपाल' पहल यात्रियों के साथ खुले संचार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, यह सुनिश्चित करती है कि उनकी आवाज सुनी जाए और बेहतर यात्रा अनुभव के लिए उस पर कार्रवाई की जाए। विशेष अभियान 4.0 के हिस्से के रूप में, दक्षिण–पश्चिम रेलवे सार्वजनिक कार्यालयों में स्वच्छता को संस्थागत बनाने पर केंद्रित है। पुरानी भौतिक फाइलों को हटाने और कार्यालयों को साफ रखने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। दक्षिण–पश्चिम रेलवे के सभी कार्यालयों में बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता मिशन पर जनता को जागरूक करने के लिए इसके अलावा विभिन्न अभियान चलाए गए हैं। ऐसी ही एक पहल है रेल चौपाल, जिसमें यात्रियों से सीधे बातचीत की जाती है।

बेंगलुरू में सुबह-सुबह आंधी और बारिश से बेहाल लोगों ने सोशल मीडिया पर बताई आपबीती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में भारी बारिश के बीच बाढ़ प्रभावित कई इलाकों के लोगों ने सोशल मीडिया पर जलभराव से लेकर 'चरमराते' बुनियादी ढांचे की शिकायत तक अपनी परेशानियां साझा की हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को बेंगलूरु शहरी और बेंगलूरु ग्रामीण दोनों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। सिल्क बोर्ड जैसे शहर के कई महत्वपूर्ण चौराहों के जलमग्न हो जाने के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना मुश्किल हो गया है जिसे देखते हुए स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका ने एक परामर्श जारी कर लोगों से आग्रह किया है कि वे जहां तक हो सके, घरों में रहें, खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें और अगर संभव हो तो यात्रा करने से बचें। लेकिन बेंगलूरु के कुछ हिस्सों में तेज धूप निकलने के कारण इन घोषणाओं की इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा आलोचना की गई। हालांकि, प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने जलमग्न सड़कों के वीडियो तथा फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किए और छुट्टियों की आवश्यकता तथा घर से काम करने के विकल्प को उचित ठहराया है।

'बेंगलूरु रेन' के माध्यम से शहर में बारिश की जानकारी रखने वाले जलवायु वैज्ञानिक प्रदीप ने कहा कि अक्टूबर में सुबह के समय ऐसी आंधी यदा–कदा ही चलती है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर 'बेंगलूरु रेन अलर्ट' पेज पर पोस्ट किया, पश्चिम बेंगलूरु के कुछ हिस्सों में 60 मिलीमीटर से अधिक बारिश हुई है। नवजात रोग विशेषज्ञ डॉ. राजथ अथरेया ने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) से वीडियो पोस्ट किए और कहा, यह ओआरआर के उस हिस्से का है, जहां आमतौर पर पानी नहीं भरता। अगर किसी को सड़कों पर निकलने की खास जरूरत नहीं है तो कृपया बाहर न निकलें।

'सिटिजन मूवमेंट ईस्ट बेंगलूरु' के आधिकारिक पेज ने भी नागरिकों पर लगाए जाने वाले करों और बुनियादी ढांचे की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। कुछ लोगों ने सुबह आठ बजे छुट्टी घोषित करने पर भी सवाल उठाए और कहा कि ऐसे समय में घोषणा हुई जब अधिकतर स्कूली छात्र पहले से ही अपने स्कूलों में पहुंच चुके हो या फिर रास्ते पर होंगे।

यहां एक तेलुगु टेलीविजन चैनल के प्रबंध संपादक वी. चंद्रमौली ने सुबह करीब आठ बजे सोशल मीडिया मंच एक्स' पर पोस्ट किया कि उनके क्षेत्र में भारी बारिश हो रही है तथा अभिभावक अभी भी स्कूल प्रबंधन से छुट्टी घोषित करने के संदेश का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच घरों से बाहर निकले लोगों को भारी यातायात जाम जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

गैस सिलेन्डर विस्फोट से एक व्यक्ति घायल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां बीटीएम लेआउट के मंजुनाथ लेआउट में एक बिल्डिंग में सिलेन्डर विस्फोट हो जाने से एक व्यक्ति बुरी तरह आग में झुलस गया और उसे गंभीरावस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया। जानकारी के अनुसार यहां एक बड़ी बिल्डिंग में किराए से रह रहे उत्तरप्रदेश मूल के पवन के घर में विस्फोट हुआ। पेशे से रसोई का काम करने वाले पवन ने रात में गैस सिलेन्डर खत्म होने पर दूसरा सिलेन्डर लगाया था। सोमवार सुबह 8.30 बजे जब दूध गरम करने के लिए उसने स्टोव जलाया तो विस्फोट हुआ। जिसकी आग की चपेट में पवन आ गया और बुरी तरह जल जाने से गंभीरवस्था में उसे विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भजनलाल से भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को यहां भारत में अमरीकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आगामी 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में गार्सेटी एवं अमरीकी निवेशकों को आमंत्रित किया।

इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि राज्य में अक्षय ऊर्जा, खनन, आईटी और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सौर एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एक नई पर्यटन नीति लाई जा रही है, जिसमें निवेशकों को कई तरह के लाभ दिए जाएंगे। राज्य में कौशल विकास, आई टी, बुनियादी ढ़ांचे के आधुनिकीकरण एवं रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए ढेरों अवसर हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में जलवायु, सतत विकास, ग्रीन टैक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा अनुसंधान, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिकी साझेदारी एवं सहयोग पर जोर दिया। शर्मा ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों के राजस्थान में कैम्पस खोलने, जीसीसी एवं डाटा सेन्टर के क्षेत्र में भी काम करने के लिए आमन्त्रित किया। अमेरिकी राजदूत ने महिला विकास, ऊर्जा, शहरी विकास, खेलकूद इत्यादि के क्षेत्र में भी अमेरिका द्वारा सहयोग की इच्छा व्यक्त की। गार्सेटी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमण्डल ने शर्मा द्वारा दिए प्रस्तावों पर गहन रूचि दिखाई।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल में यूएस एम्बेसी से आर्थिक मामलात अधिकारी डेमन ड्यूबोर्ड, वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार ए. सुकेश, वाइस कौंसिल एलेक्जेण्डर व्हाइट, राजनैतिक अधिकारी हिना राव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा मौजूद थे।

शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश की सेवा का संकल्प लें : साहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पुलिस महाङ्गनिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने कहा है कि देश के अमर शहीद पुलिस कार्मिकों के बलिदान से प्रेरणा लेकर सभी पुलिस अधिकारी और पुलिस कर्मी अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करते हुये देश की सेवा का संकल्प लें। साहू ने सोमवार को पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर जयपुर में राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुये कहा कि 65 वर्ष पहले 21 अक्टूबर 1959 के दिन लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में भारतीय पुलिस के जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुये अपने प्राण न्योछावर कर दिये थे। इन अमर जवानों की शहादत को याद करने और उनसे प्रेरणा ग्रहण करने के लिये पूरे देश में हर पुलिस संगठन और संस्थान में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस के इन वीर जवानों का बलिदान भारतीय पुलिस के कार्यों की उच्चतम परम्पराओं का प्रतीक है, जो देशभर में पुलिस जवानों के समक्ष कर्त्तव्यनिष्ठा का अनुपम और अनुकरणीय आदर्श प्रस्तुत करता है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहीद पुलिस कार्मिकों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर हुआ। परेड में साहू ने सलामी ली। उन्होंने एवं पूर्व पुलिस महानिदेशक अजीत सिंह ने आरपीए में शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित करके शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। शहीद स्मारक पर सेवा निवृत्त डीजीपी ओपी गल्होत्रा एवं एसपीएस श्रीवास्तव, एडीजी (प्रशिक्षण) अशोक राठौड़, आईबी के संयुक्त निदेशक रमाकांत ङ्गशर्मा, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अशोक कुमार, एडीजी एवं आरपीए के निदेशक एस. सेंगाथिर, जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंअर राष्ट्रदीप सिंह सहित पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

साहू ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पूरे भारत में एक सितम्बर 2023 से 31 अगस्त 20224 की अवधि में राष्ट्र सेवा में वीरगति प्राप्त करने वाले 216 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों के नाम वाचन करते हुये राजस्थान पुलिस परिवार की ओर से उन्हें भावांजलि अर्पित की। इससे पहले उन्होंने राजस्थान के शहीद पुलिस कर्मियों एएसआई रामचंद्र, एएसआई राम स्वरूप, हेड कास्टेबल चंदा कुमारी, हेड कांस्टेबल खुशीराम राजलवाल, हेड कांस्टेबल लहर चंद, हेड कांस्टेबल शीशराम, हेड कांस्टेबल सुखराम, हेड कांस्टेबल उमराव सिंह, हेड कांस्टेबल विनोद कुमार, कांस्टेबल भंवर लाल, कांस्टेबल धारा सिंह मीना, कांस्टेबल कुम्भाराम, कांस्टेबल महेन्द्र राम, कांस्टेबल महिपाल, कांस्टेबल निरंजन सिंह, कांस्टेबल प्रवीण चंद्र, कांस्टेबल सत्येन्द्र ङ्गसिंह, कांस्टेबल सुखराम, कांस्टेबल सुरेश मीना एवं कांस्टेबल थानाराम सहित देश के अन्य राज्यों के साथ बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, फायर सर्विसेज-होमगार्ड्स और आरपीएफ के जवानों का स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

जल्द स्थापित हों कुसुम के सोलर प्लांट : आरती डोगरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। डिस्कॉम्स चेयरमैन एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक सुआरती डोगरा ने कुसुम-सी योजना के तहत स्वीकृत सोलर पावर प्लांटों को शीघ्र स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जयपुर डिस्कॉम के अधिकारियों से कहा है कि अवॉर्ड जारी करने के बाद पावर परचेज एग्रीमेंट फाइनल करने, ट्रांसमिशन लाइन तथा मीटर लगाने सहित विभिन्न आवश्यक स्वीकृतियों के काम निर्धारित समयावधि में पूरे किए जाएं। इसके लिए डिस्कॉम के स्तर पर एसओपी तैयार की जाएगी। डिस्कॉम्स चेयरमैन जयपुर डिस्कॉम क्षेत्र में लगाए जा रहे इन प्लांटों की प्रगति की सोमवार को विद्युत भवन में समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने किसानों, डवलपरों तथा निगम के अभियंताओं से प्लांट स्थापित करने की दिशा में अब तक की प्रगति तथा बाधाओं के बारे में जानकारी ली। सुडोगरा ने निर्देश दिए कि डिस्कॉम अभियंता प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ सोलर संयंत्रों की स्थापना में आ रही अन्य विभागों से संबंधित दिक्कतों को दूर करने में भी सहयोग करें। डिस्कॉम चेयरमैन ने कहा कि कुसुम योजना का कंपोनेंट-सी किसानों को दिन में कृषि कार्य के लिए बिजली देने की दिशा में महत्वपूर्ण है। ऐसे में इन ग्रिड कनेक्टेड सोलर परियोजनाओं को शीघ्र स्थापित करना आवश्यक है। बैठक में डवलपर्स तथा किसानों ने अवगत कराया कि उन्हें डिस्कॉम के स्तर पर आवश्यक सहयोग मिल रहा है। उन्होंने अतिरिक्त प्रयास कर यथासंभव शीघ्र सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए आश्वस्त किया। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी) एसएस नेहरा, मुख्य लेखा नियंत्रक ए.के. जोशी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (पीपीएम) आर. के.शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

सराहनीय कार्यों के लिए 61 पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों का होगा सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने प्रदेश में पुलिसिंग के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों के लिए 61 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को 'महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' एवं 'महानिदेशक पुलिस डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' सहित नकद ईनाम मय प्रशस्ति पत्र देने की मंजूरी प्रदान की गई है। एडीजी श्रीमती मालिनी अग्रवाल, एडीजी विशाल बंसल और एडीजी विजय कुमार सिंह को भी डीजीपी डिस्क देने की घोषणा की गई है। इन पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को आगामी दिनों में आयोजित होने वाले समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

डीजीपी साहू ने बताया कि प्रदेश में इस साल की शुरूआत में 58वें पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन-2023 का आयोजन जयपुर में किया गया था। इस सम्मेलन के सफल आयोजन में सराहनीय सेवाओं के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण (तत्कालीन पद हाल एडीजी सिविल राइटस एंड एएचटी) श्रीमती मालिनी अग्रवाल, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था विशाल बंसल और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी विजय कुमार सिंह को 'महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' प्रदान किया जाएगा।

एडीजी बंसल का दूसरी बार इस सम्मान के लिए चयन हुआ है।

साहू ने बताया कि अपराध, प्रशासन, कानून व्यवस्था एवं इंटलिजेंस के क्षेत्र में ही उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर राजेन्द्र प्रसाद गोयल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीआईडी विशेष शाखा जोन, जयपुर शहर धर्मेन्द्र सिंह सागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध अनुसंधान सेल, बूंदी भगवत सिंह हिंगड, सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक, जयपुर-उत्तर हेमंत जाखड़, आरपीएस (प्रोबेशनर), कार्यालय पुलिस अधीक्षक, धौलपुर अंगद शर्मा, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, थाना माणक चौक, जयुपर-उत्तर गुरू भूपेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी सुभाष चौक, जयुपर-उत्तर सुरेश चंद, निरीक्षक पुलिस, थानाधिकारी, पुलिस थाना प्रताप नगर, आयुक्तालय जोधपुर भुटाराम, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी सविना, जिला उदयपुर फूलचंद, पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी बयाना जिला भरतपुर सुनील कुमार, उप निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस थाना गढ़ीबाजना, भरतपुर मुकेश कुमार, उप निरीक्षक, थानाधिकारी, थाना रूदावल, भरतपुर योगेन्द्र सिंह (द्वितीय बार), उप निरीक्षक पुलिस, तत्कालीन थाना रूदावल हाल कार्यालय पुलिस अधीक्षक, करौली महावीर प्रसाद, कांस्टेबल थाना डग, झालावाड़ मुकेश कुमार, कांस्टेबल थाना डग, झालावाड बृजेश कुमार, कांस्टेबल कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस रेंज, जयपुर प्रताप मीना, कांस्टेबल कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस रेंज, जयपुर मनोज यादव, कांस्टेबल पुलिस थाना प्रताप नगर, आयुक्तालय, जयपुर श्याम लाल तथा कांस्टेबल साइबर क्राइम, पुलिस थाना धौलपुर अशोक कुमार को डीजीपी डिस्क एवं प्रशस्ति रोल दिया जाएगा।

पुलिसकर्मियों ने किया रक्तदान

जयपुर/दक्षिण भारत। पुलिस शहीद दिवस पर राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में सोमवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम के बाद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, पौधारोपण और सफाई अभियान आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर में 117 पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने रक्तदान कर शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि दी। डीजीपी यूआर साहू ने रक्तदान शिविर का अवलोकन कर रक्तदान करने वाले पुलिस अधिकारियों और पुलिस कार्मिकों का मनोबल बढ़ाया और इस नेक कार्य के लिए उनकी सराहना की। रक्तदान शिविर में डीजीपी (साइबर अपराध एवं एससीआरबी) हेमंत प्रियदर्शी, एडीजी एवं आरपीए के निदेशक एस. सेंगाथिर, आईजी राजीव पचार, डीआईजी दीपक भार्गव एवं विकास शर्मा एवं डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक एवं इंस्पेक्टर से लेकर हैड कांस्टेबल और कांस्टेबल तक के पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों ने रक्तदान कर शहीद पुलिस कार्मिकों को श्रद्धांजलि दी।

डीजीपी साहू ने इस अवसर पर आरपीए परिसर में शहीद पुलिस कार्मिकों की याद में पौधारोपण किया। इन कार्यक्रमों में पुलिस मुख्यालय, आरपीए और जयपुर कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारियों सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कार्मिक मौजूद रहे।

करवा चौथ पर कहासुनी के बाद पति-पत्नी ने की खुदकुशी

जयपुर। जयपुर के हरमाड़ा इलाके में करवा चौथ की रात कहासुनी के बाद पति-पत्नी ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया, घनश्याम बुनकर (38) रविवार देर रात घर आया। उसकी पत्नी मोना (35) से कहासुनी हो गई। आधी रात के बाद मोना गुस्से में घर से निकल गई। घनश्याम भी उसके पीछे निकल गया। कुछ देर बाद मोना कथित तौर पर चलती ट्रेन के आगे कूद गई।

पुलिस ने बताया कि इस घटना से घनश्याम सदमे में आ गया और घर लौटने के बाद फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि जब यह घटनाक्रम हुआ उनके बच्चे अलग कमरे में सो रहे थे।

राज्यपाल ने अमेरिका के राजदूत से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी के नेतृत्व में सोमवार को पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी दूतावास के उप निदेशक एरोन, वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार ए. सुकेश, एलेक्जेंडर वाईट और यूएस दूतावास में राजनीतिक अधिकारी हिना राव उपस्थित थी। इस दौरान एरिक गार्सेटी ने राज्यपाल के साथ भारत में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने भारत की विविधता में एकता की संस्कृति और आत्मीयता से भरे लोगों की सराहना करते हुए कहा कि राजस्थान अपनत्व से भरा प्रदेश है। गार्सेटी ने बताया कि वर्ष 2013 में लॉस एंजिल्स शहर के 42 वें मेयर के रूप में भी उन्होंने कार्य किया। उन्होंने विशेष रूप से मेयर रहते हुए लॉस एंजिल्स को ग्रीन सिटी बनाने, वहां निवेश के लिए किए विशेष कार्य और भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में रहे अपने अनुभवों को साझा किया। बागडे ने राजस्थान यात्रा के स्मृतिस्वरूप गार्सेटी को स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया। इस दौरान सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव जोगाराम, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, राजस्थान पर्यटन विकास निगम की प्रबंध निदेशक सुषमा अरोड़ा भी उपस्थित रहे।

रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित

जयपुर। राजस्थान में रेजिडेंट डॉक्टर की हड़ताल के कारण सोमवार को स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। रेजिडेंट डॉक्टर वार्षिक वेतन वृद्धि, पीजी और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सकों की नौकरियों में योग्यता के आधार पर सीधी भर्ती, चिकित्सकों की सुरक्षा और बेहतर छात्रावास सुविधाओं की मांग को लेकर शनिवार रात से हड़ताल पर हैं। राजस्थान के जयपुर, उदयपुर, अजमेर, जोधपुर बीकानेर के सभी सरकारी अस्पतालों में रेजिडेंट डॉक्टर ने सेवाओं का बहिष्कार किया। 'जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स' (जार्ड) के एक प्रतिनिधि ने बताया कि प्रशासन के साथ वार्ता बेनतीजा रही और हमारी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण चिकित्सकों को सभी सेवाएं बंद करने पर मजबूर होना पड़ा है। जार्ड के अध्यक्ष मनोहर सियोल ने कहा, 12 दिन के विरोध प्रदर्शन के बाद भी प्रशासन की लगातार निष्क्रियता के कारण हमें भारी मन से सभी सेवाएं बंद करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

डोटासरा ने उपचुनाव में किसी क्षेत्रीय दल के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य में सात विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में किसी क्षेत्रीय दल के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि सातों सीट पर पार्टी की तैयारी पूरी है और उम्मीदवारों की सूची तैयार कर ली गई है। यहां पार्टी के 'वार रूम' में समन्वय समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं से उन्होंने कहा कि प्रदेश इकाई ने सभी सात सीट पर प्रत्याशियों की सूची तैयार कर ली है और अंतिम फैसला दिल्ली में पार्टी आलाकमान करेगा। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने नागौर सीट पर राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और सीकर सीट पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के साथ गठबंधन किया था।

पिछले साल विधानसभा चुनाव में नागौर जिले की खींवसर विधानसभा सीट जीतने वाले आरएलपी के संयोजक हनुमान बेनीवाल इस साल नागौर संसदीय सीट से सांसद चुने गए जिसके बाद खींवसर विधानसभा सीट खाली हो गई है। खींवसर सीट पर कांग्रेस-आरएलपी गठबंधन की अटकलें थीं लेकिन डोटासरा ने आज साफ कर दिया कि प्रदेश कांग्रेस समिति किसी भी गठबंधन पर विचार नहीं कर रही।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सभी सात सीट के लिए नामों का सूची दिल्ली ले जाएंगे और पार्टी आलाकमान से चर्चा के बाद उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक राजकुमार रोत के बांसवाड़ा सीट से लोकसभा चुनाव जीतने के बाद चौरासी विधानसभा सीट खाली हो गई थी। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में बीएपी के साथ किसी गठबंधन की घोषणा नहीं की थी, लेकिन बांसवाड़ा से अपने उम्मीदवार से नामांकन वापस लेने को कहा था।

यह कदम बीएपी को समर्थन देने के उद्देश्य से उठाया गया था, हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार ने चुनाव लड़ा। डोटासरा ने कहा, सातों सीट पर हमारी तैयारी पूरी है। हमने उम्मीदवारों की सूची पर चर्चा कर ली है।

प्रदेश स्तर पर हमारा किसी दल से कोई गठबंधन नहीं है, हम सातों जगह चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अब पार्टी आलाकमान कोई निर्देश दे, कोई फैसला करे उससे हम बंधे हुए हैं लेकिन कांग्रेस की प्रदेश इकाई की तरफ से न तो हम लोगों ने कोई बात की है, न उन लोगों ने कोई बात की है। ऐसे में गठबंधन का सवाल ही पैदा नहीं होता।

डोटासरा ने विश्वास जताया कि पार्टी सभी सात विधानसभा सीट पर जीत हासिल करेगी। रंधावा की अध्यक्षता में हुई बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और अन्य नेता भी शामिल हुए। रंधावा ने कहा, हमने आज सूची तैयार कर ली है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक होगी उसमें इस पर विचार होगी। कांग्रेस पूरे जोश से चुनाव लड़ेगी और जीत कर आएगी।

राज्य की सात विधानसभा सीट- झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा, खींवसर, चौरासी, सलूंबर और रामगढ़ पर उपचुनाव के लिए मतदान 13 नवंबर को होगा और 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। नामांकन की प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हुई और नामांकन भरने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर है। राज्य विधानसभा में कुल 200 सीट हैं जिनमें से पांच सीट विधायकों के सांसद बनने के कारण और दो सीट विधायकों के निधन के कारण खाली हैं।

जिन सात विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने हैं उनमें झुंझुनू सीट कांग्रेस के विधायक बृजेंद्र ओला, दौसा सीट कांग्रेस के विधायक मुरारीलाल मीणा, देवली-उनियारा सीट कांग्रेस के विधायक हरीश चंद्र मीणा, खींवसर सीट राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के विधायक हनुमान बेनीवाल और चौरासी सीट भारत आदिवासी पार्टी के विधायक राजकुमार रोत के इस्तीफा देने के कारण खाली हुई हैं। इन सभी विधायकों ने इस साल संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में सांसद चुने जाने के बाद इस्तीफा दिया था।

वहीं राज्य की रामगढ़ सीट कांग्रेस विधायक जुबेर खान और सलूंबर सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के कारण खाली हुई हैं। इस तरह जिन सात सीट पर उपचुनाव होना है उनमें से चार कांग्रेस के पास थीं। राज्य विधानसभा में इस समय भारतीय जनता पार्टी के 114, कांग्रेस के 65, भारत आदिवासी पार्टी के तीन, बहुजन समाज पार्टी के दो और राष्ट्रीय लोकदल का एक विधायक है। इसके अलावा आठ निर्दलीय विधायक हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन के भूले-बिसरे नायकों की भूमिका को उजागर करें अगली पीढ़ी के इतिहासकार : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि अगली पीढ़ी के इतिहासकारों को भारत के स्वाधीनता आंदोलन के भूले-बिसरे नायकों की भूमिका को उजागर करना चाहिए।

उप राष्ट्रपति ने अलीगढ़ स्थित राजा महेन्द्र प्रताप विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय एक ऐसी हस्ती की याद में स्थापित किया गया है जो ''वास्तव में भारत के स्वाधीनता आंदोलन के भूले-बिसरे नायक हैं।''

उन्होंने आह्वान करते हुए कहा, ''अगली पीढ़ी के इतिहासकारों को भारत के स्वाधीनता आंदोलन के ऐसे नायकों की भूमिका को उजागर करना चाहिये जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया है।''

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, ''राजा महेन्द्र प्रताप 20वीं सदी के महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने भारत की आजादी और देश में आधुनिक शिक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित किया जाना उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।''

उन्होंने कहा, ''राजा महेन्द्र प्रताप वर्ष 1915 में काबुल में निर्वासन में बनी भारत की पहली अस्थायी सरकार के संस्थापक थे। अपनी जिंदगी का एक लंबा समय निर्वासन में गुजारने वाले राजा महेन्द्र प्रताप भारत की आजादी के लिए निरंतर संघर्ष करते रहे।''

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा, ''राजा महेन्द्र प्रताप आधुनिक शिक्षा के भी बड़े पैरोकार थे। उन्होंने मथुरा में प्रेम महाविद्यालय नाम से एक शिक्षण संस्थान स्थापित किया था और उन्होंने इसके लिए काफी जमीन भी दान की थी।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अलीगढ़ के लोधा खंड में स्थित राजा महेन्द्र प्रताप विश्वविद्यालय का 14 सितंबर 2021 को शिलान्यास किया था।

बिहार के पहले अंतर्देशीय कंटेनर डिपो का बिहटा में उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के पहले शुष्क बंदरगाह और अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) का सोमवार को राजधानी पटना के बाहरी इलाके बिहटा में उद्घाटन किया गया। इसकी स्थापना से बिहार में माल के भंडारण, सीमा शुल्क सेवाओं और मल्टी-मॉडल परिवहन के जरिये लॉजिस्टिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

शुष्क बंदरगाह एक अंतर्देशीय टर्मिनल होता है जो सड़क या रेल के जरिये बंदरगाह से जुड़ा होता है। यह बंदरगाह पर उतारे गए माल को देश के अंदरूनी गंतव्यों तक पहुंचाने के लिए परिवहन के एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। राज्य के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने इस कंटेनर डिपो का उद्घाटन किया। मिश्रा ने इसे बिहार के लिए बड़ा दिन बताते हुए कहा, ''यह सुविधा हमारे औद्योगिक क्षेत्र को बदल देगी। पहले बिहार के निर्यातकों और आयातकों को अपने गृह राज्य से हजारों किलोमीटर दूर स्थित बंदरगाहों या अन्य राज्यों में सीमा शुल्क मंजूरी लेनी पड़ती थी। उन्होंने कहा, ''अब बिहटा में आईसीडी के खुलने से राज्य के आयातक-निर्यातक वैश्विक बाजारों में खुद को स्थापित करने और प्रतिस्पर्धात्मक रूप से भाग लेने में सक्षम होंगे क्योंकि यहां सीमा शुल्क निकासी सुविधाएं उपलब्ध हैं।'' आईसीडी बिहटा को वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने अंतर्देशीय कंटेनर डिपो के रूप में अनुमोदित किया है। बिहार उद्योग विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह कोलकाता बंदरगाह, हल्दिया, विशाखापत्तनम, मुंद्रा और अन्य प्रमुख बंदरगाहों से रेल मार्ग के जरिये अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना और सरदार : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना और सरदार हैं।

मौर्य ने हरदोई के शाहाबाद में प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी के पति एवं पूर्व विधायक उपेंद्र तिवारी की श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए दावा किया, ''माफिया जिस दिन समाजवादी पार्टी को छोड़ देंगे उस दिन समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बन जाएगी।'' उन्होंने कहा, ''अपराधियों के खिलाफ, माफिया के खिलाफ, दंगाइयों के खिलाफ कार्यवाही होती है तो अखिलेश यादव विचलित हो जाते हैं, क्योंकि जिस दिन गुंडे अपराधी माफिया दंगाई सपा का साथ छोड़ देंगे उसी दिन सपा समाप्तवादी पार्टी हो जाएगी।''

मौर्य ने दोहराया कि ''गुंडे, अपराधी, माफिया, भू माफिया, नकल माफिया जितने भी माफिया हैं, अखिलेश यादव उनके सरगना है सरदार हैं।''

उपमुख्यमंत्री ने इस दौरान विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास एवं निरीक्षण किया।

मौर्य ने उप्र में विधानसभा की नौ सीटों पर 13 नवंबर को होने वाले चुनाव को लेकर भरोसा जताते हुए कहा ''हमें पूरा विश्वास है कि यूपी के होने जा रहे उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी जीतेगी।'' उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी ने मिलकर झूठ बोलकर के गुमराह करके कुछ सफलता हासिल की है, जो गुब्बारे की तरह है।''

भारतीय जनता पार्टी नेता ने कहा कि ''जनता गुब्बारे की हवा निकाल देगी।''

भारत के भविष्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी के पास स्पष्ट योजना है : कैमरुन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरुन ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास प्रौद्योगिकी तथ भारत के भविष्य को लेकर स्पष्ट योजना है और उनका तीसरा कार्यकाल यह दर्शाता है कि वह लगातार वास्तविक परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।

'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' में कैमरुन ने कहा कि आर्थिक विकास को गति देने, बुनियादी ढांचे में सुधार और देश के भविष्य के लिए एक स्पष्ट योजना का होना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''जब आप राजनीति में होते हैं कि तो सब की निगाहें आप पर टिकी रहती हैं। अगर आपके पास इस बारे में कोई स्पष्ट योजना नहीं है कि आप क्या करना चाहते हैं, तो आप लगातार अल्पकालिक समस्याओं और कठिनाइयों से विचलित होते रहते हैं।'' इससे पहले शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का अपना दृष्टिकोण साझा किया और अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 125 दिन के दौरान अपनी सरकार की उपलब्धियों को गिनाया।

कैमरुन ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी के भाषण को सुनकर अच्छा लगा। अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में जोश के उसी स्तर को बनाए रखना वास्तव में प्रभावित करने वाला है।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन में टोनी ब्लेयर और मार्गरेट थैचर के बाद से कोई भी प्रधानमंत्री तीन कार्यकाल तक नहीं रहा है। उन्होंने कहा, ''यह बहुत प्रभावित करने वाला है क्योंकि इसका मतलब है कि आपमें वास्तविक बदलाव लाने, बेहतर तरीके से वास्तविक चीजों को अंजाम देने की क्षमता है, जो हम भारत में होते हुए देख रहे हैं।'' कैमरुन ने कहा कि लोकतंत्र में सबको अपनी बात रखने का अधिकार है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नेताओं के पास भविष्य के लिए स्पष्ट योजना होनी चाहिए। कैमरुन ने कहा, ''आपके पास जितनी अधिक योजना होगी, शोर कम होते ही आप उतनी ही जल्दी उस पर वापस आ सकेंगे।'' 'एनडीटीवी वर्ल्ड समिट' के दौरान कैमरुन ने यह भी कहा कि भारत की इतनी साख है कि वह यूक्रेन एवं रूस के बीच मौजूदा संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है।

पुरी और सागर द्वीप के बीच से गुजरेगा भीषण चक्रवाती तूफानः आईएमडी

भुवनेश्वर/भाषा। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र सोमवार को और मजबूत हो गया और 23 अक्टूबर तक इसके चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है जो ओडिशा के पुरी तथा पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप के बीच से गुजरेगा।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने नवीनतम संदेश में कहा है: ... मौसम की यह प्रणाली अपनी गति जारी रखते हुए 24 अक्टूबर की रात और 25 अक्टूबर की सुबह के समय एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में पुरी और सागर द्वीप के बीच उत्तरी ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल के तटों को पार कर सकती है, जिसकी हवा की गति 100-110 किमी प्रति घंटा से लेकर 120 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि बंगाल की खाड़ी और उससे सटे अंडमान सागर के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ गया है तथा सोमवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे यह बंगाल की खाड़ी के पूर्व-मध्य क्षेत्र के ऊपर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव वाले क्षेत्र के रूप में स्थित था। आईएमडी ने कहा, इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने तथा 22 अक्टूबर की सुबह तक दबाव के क्षेत्र में तब्दील होने तथा 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की पूरी संभावना है। इसके उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने तथा 24 अक्टूबर की सुबह तक ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों के पास उत्तरपश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की पूरी आशंका है।

टिकट वितरण को लेकर भाजपा में कोई अंतर्कलह नहीं है, थोड़ा-बहुत असंतोष स्वभाविक है : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

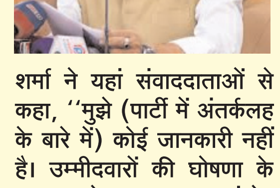

रांची/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने झारखंड विधानसभा चुनाव के सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की (झारखंड) प्रदेश इकाई में अंतर्कलह की खबरों का सोमवार को खारिज करते हुए कहा कि उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बाद थोड़ा-बहुत असंतोष स्वभाविक है।

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी शर्मा ने इन आरोपों का खंडन किया है कि पार्टी द्वारा टिकट वितरण में भाई-भतीजावाद को ध्यान में रखा गया।

झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को चुनाव होंगे तथा मतगणना 23 नवंबर को होगी।

शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मुझे (पार्टी में अंतर्कलह के बारे में) कोई जानकारी नहीं है। उम्मीदवारों की घोषणा के बाद थोड़ा-बहुत असंतोष स्वाभाविक है।''

उनसे पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच अंतर्कलह के बारे में पूछा गया था जिसकी वजह से तीन बार के भाजपा विधायक केदार हाजरा समेत कुछ नेताओं ने इस्तीफा दे दिया।

शर्मा ने कहा कि भाजपा एक बड़ा राजनीतिक परिवार है और कुछ 'नाराजगी' एवं 'इस्तीफे' तो स्वभाविक हैं लेकिन वह इन असंतुष्ट नेताओं से भेंट करेंगे।

ममता ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, आवश्यक दवाओं की मूल्य वृद्धि के फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय औषध मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एपीपीए) द्वारा आठ आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ाने की पृष्ठभूमि में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह किया कि संबंधित मंत्रालय को इस फैसले पर तत्काल पुनर्विचार करने का निर्देश दिया जाए।

बनर्जी ने प्रधानमंत्री को लिखे दो पन्नों के पत्र में कहा, ''नागरिकों का कल्याण सर्वोच्च महत्व वाला है। मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आम लोगों के स्वास्थ्य और कुशलता के व्यापक हित में मूल्य वृद्धि के निर्णय पर तुरंत पुनर्विचार करने के लिए संबंधित मंत्रालय को निर्देश जारी करें।'' उन्होंने कहा, ''शायद, हमारा उद्देश्य एक संतुलित दृष्टिकोण को बनाए रखना होना चाहिए जो वाणिज्यिक व्यवहार्यता और नागरिकों के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवा के अधिकार, दोनों का सम्मान करता हो। नागरिकों का कल्याण सर्वोपरि है, और यह महत्वपूर्ण है कि सभी हितधारक इस प्रतिबद्धता को दर्शाने के लिए समरूप नीतियां बनाएं।'' एनपीपीए ने हाल में आठ दवाओं के 11 निर्धारित फॉर्मूलेशन की मूल्य सीमा में 50 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दी थी। इनमें अधिकतर दवाएं किफायती हैं और आमतौर पर दमा, ग्लूकोमा, थैलेसेमिया, टीबी और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकारों के उपचार में काम आती हैं।

भदोही में इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की गोली मारकर हत्या

भदोही (उप्र)/भाषा। भदोही जिले में एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य की सोमवार को कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल चौराहे पर स्थित इंद्र बहादुर सिंह नेशनल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य योगेंद्र बहादुर सिंह (56), अमिलौरी गांव स्थित घर से कार में सवार होकर निकले थे तभी घर से दो सौ मीटर की दूरी पर मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात युवकों ने कार के टायर पर गोली चला दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्होंने कार के पास पहुंचकर सिंह पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं और हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिंह को पास के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

झारखंड विधानसभा चुनाव भाजपा की 'साजिश' के तहत समय से पहले कराए जा रहे : कल्पना सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गिरिडीह/भाषा। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक कल्पना सोरेन ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा चुनाव समय से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'साजिश' के तहत कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में मतदान समय में अंतर और मतदान पिछले चुनाव में पांच से घटाकर इस बार दो चरण में करवाए जाने पर भी सवाल उठाए। कल्पना ने गिरिडीह में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा निर्वाचन एजेंसियों पर अपना प्रभाव मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, ''राज्य में विधानसभा चुनाव समय से पहले कराए जा रहे हैं जबकि महाराष्ट्र में समय पर हो रहा है। झारखंड को अप्रत्याशित रूप से शामिल किया गया। दिलचस्प बात है कि चुनाव पारंपरिक रूप से पांच चरण में होते थे जो अब महज दो चरण में कराए जा रहे हैं, सभी भाजपा की साजिश के तहत हो रहा है।'' कल्पना ने शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का समय एक घंटा कम करने के फैसले की भी आलोचना की। इस बदलाव से ग्रामीण मतदाताओं के मतदान में बाधा उत्पन्न होगी खासतौर पर गरीबों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं के लिए मुश्किल होंगी जो आमतौर पर हेमंत सोरेन का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, '' ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का समय एक घंटा कम कर दिया गया है। कई ग्रामीण मतदाता मतदान केंद्र पर पहुंचने में चुनौती का सामना करते हैं। यह गरीबों, किसानों, मजदूरों और महिलाओं को उनके मताधिकार से वंचित करने की कोशिश है जो हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं।''

चीन के मुद्दे पर साढ़े चार वर्षों से संसद में चर्चा नहीं होने दी गई : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने भारतीय और चीनी वार्ताकारों के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आसपास गतिरोध वाले बाकी बिंदुओं पर गश्त के लिए सहमति बनने की घोषणा के बाद सोमवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि संसद में पिछले साढ़े चार वर्षों में एक बार भी चीन के साथ लगी सीमा की स्थिति पर चर्चा नहीं होने दी गई। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चार साल पुरानी एक टिप्पणी को लेकर सवाल किया कि क्या देश प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को कभी भूल सकता है जिसने ''भारत के पक्ष को बेहद कमज़ोर कर दिया है?'' भारत ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गतिरोध वाले बाकी बिंदुओं पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं। इस समझौते को पूर्वी लद्दाख में लगभग चार वर्षों से जारी सैन्य गतिरोध के समाधान की दिशा में एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है।

घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन से मोहम्मद सिराज पर बढ़ा दबाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टीम चयन में निरंतरता में विश्वास करते हैं जिससे घरेलू परिस्थितियों में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अंतिम एकादश में जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष करना होगा।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होगा। टीम में स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर को शामिल करना एक संकेत है कि कोच गौतम गंभीर और रोहित स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल पिच पर उन्हें खिलाना चाहेंगे।

हैदराबाद के इस 30 साल के गेंदबाज ने अपने 30 टेस्ट के करियर में 80 विकेट लिए है जिसमें से 61 विकेट दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में खेले गये 17 टेस्ट मैचों में आये हैं।

भारत में उनके नाम 13 मैचों में 192.2 ओवर की गेंदबाजी में सिर्फ 19 विकेट है। यह आंकड़े

बताते है कि सिराज उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी जैसे गेंदबाजों इतने कारगर नहीं है। बुमराह और शमी के पास किसी पर पिच और परिस्थितियों में विकेट निकालने की क्षमता है।

सिराज भारत में इनमें से चार मैचों में एक भी विकेट लेने में विफल रहे है उनमें से दो मैचों में उन्हें क्रमश 10 और छह ओवर ही गेंदबाजी करने के लिए मिले। ये मुकाबले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल इंदौर और दिल्ली में खेले गये थे।

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के लिए सबसे बड़ी निराशा की बात यह है कि वह नई गेंद से विकेट निकालने में विफल रहे हैं जिससे बुमराह पर दबाव काफी बढ़ता जा रहा है।

भारत के नई पीढ़ी के गेंदबाजों के साथ काम करने वाले एक गेंदबाजी कोच ने कहा कि सिराज की गेंदबाजी में भारतीय परिस्थिति के लिए तकनीकी खामियां है। उन्होंने गोपनीयता की शर्त पर कहा, '' आप अगर सिराज के रिकॉर्ड को देखे तो उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में पारी में पांच विकेट लिए हैं जहां ज्यादा उछाल है। टेस्ट मैचों में गेंद को बल्लेबाज से छह से आठ मीटर की दूरी पर टप्पा खिलाने को टेस्ट मैचों में आदर्श लंबाई मानी जाती है। अलग-अलग देशों में हालांकि उछाल के आधार पर परिस्थितियां अलग होती है।''

बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के ट्रायल्स से छूट लेने से विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई : साक्षी मलिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा।

साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस' में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। उन्होंने इसमें बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला

दिल्ली की अदालत में चल रहा है। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी एशियाई खेलों में हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे। किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरूआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट पर अपने स्वार्थ के लिए विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाने का आरोप भी लगाया। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया। साक्षी ने लिखा, ''पहले की तरह स्वार्थी सोच फिर से हावी होने लगी। बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू कर दिया। वे खेलों के लिए ट्रायल्स से छूट लेने की बात करने लगे। '' उन्होंने लिखा, ''बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने का अच्छा असर नहीं पड़ा। इससे हमारे विरोध प्रदर्शन की छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। इससे हम ऐसी स्थिति में पहुंच गये जिसमें कई समर्थकों ने यह सोचना शुरू कर दिया कि हम अपने स्वार्थ के लिए यह विरोध कर रहे हैं।''

विनेश और बजरंग दोनों इस महीने के शुरू में हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी से जुड़ गये। विनेश जुलाना विधानसभा से जीत गईं जबकि बजरंग पार्टी की राष्ट्रीय किसान इकाई के प्रमुख बने।

सुविचार

ज्ञान आपको एकता की राह पर ले जाता है, जबकि अज्ञानता अंधकार की ओर, इसलिए जीवन में व्यक्ति को ज्ञान अर्जित जरूर करना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आबादी का सवाल

एक ओर जहां भारत का युवा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पौष्टिक भोजन, रोजगार, आवास जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है, दूसरी ओर कुछ वरिष्ठ नेताओं द्वारा जनता से आबादी बढ़ाने संबंधी अपील करना हैरान करता है! इसे मीडिया की सुर्खियों में छा जाने की कोशिश माना जाए या असल मुद्दों से अनभिज्ञता? विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि देश की आबादी 142 करोड़ को पार कर चुकी है। संसाधनों पर बहुत दबाव बढ़ गया है। नौकरी के एक-एक पद के लिए सैकड़ों युवाओं में मुकाबला हो रहा है। बसों, ट्रेनों में भीड़ ही भीड़ दिखाई देती है। खेत घटते जा रहे हैं। इतनी आबादी का पेट भरने के लिए फसलों पर अंधाधुंध रसायन छिड़के जा रहे हैं, जिससे कई घातक रोग बढ़ गए हैं। दो दशक पहले तक गांवों में कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी बीमारियां बहुत कम लोगों को होती थीं। अब घर-घर में लोग दवाइयां ले रहे हैं। चूंकि खानपान 'शुद्ध' नहीं रहा, इसलिए आरोग्य शक्ति घट गई। आज सामान्य परिवार किसी कस्बे में भी जमीन खरीदकर मकान बनाए तो उसे वर्षों तक क़िस्तें चुकानी पड़ेंगी, क्योंकि लागत बहुत ज्यादा बढ़ गई है। क्या ऐसे में किसी नेता द्वारा यह बयान दिया जाना न्यायोचित है कि आबादी में और ज्यादा बढ़ोतरी करनी चाहिए? ऐसा कहना उन बच्चों के साथ भी अन्याय है, जो अभी इस दुनिया में नहीं आए हैं। अक्सर यह सवाल पूछा जाता है कि आबादी कितनी होनी चाहिए? वास्तव में इसका कोई एक जवाब नहीं हो सकता। हां, कुछ खास बिंदु जरूर हैं, जिनके आधार पर इसका निर्धारण किया जा सकता है। जैसे- प्राकृतिक संसाधन (जल, जंगल, जमीन) कितने हैं, कितने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं दे सकते हैं, शिक्षा और रोजगार की स्थिति कैसी है, स्वास्थ्य सुविधाओं की क्या हालत है? इन सबसे बढ़कर एक बिंदु है- कितने बच्चों को अच्छी परवरिश देते हुए ईमानदार नागरिक बना सकते हैं?

अगर प्रजनन दर 2.1 हो तो वह आबादी को प्रतिस्थापित कर सकती है। इससे नीचे जाने पर आबादी में गिरावट आने लगती है, जैसा कि जापान और द. कोरिया जैसे देशों में हो रहा है। भारत के कुछ राज्यों, जैसे- बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड में यह दर कुछ ज्यादा है। बेशक दक्षिण भारत के राज्यों ने इसे नियंत्रित करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। आबादी में कामकाजी आयु वर्ग का होना बहुत जरूरी है। इसके साथ यह भी जरूरी है कि लोगों को काम मिले। आज सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली भर्ती परीक्षाओं में युवाओं की भीड़ देखें। सरकारों को चाहिए कि वे पहले इन्हें तो रोजगार दे दें, इनका जीवन बेहतर बना दें! स्वस्थ, शिक्षित, अनुशासित, ईमानदार और कुशल आबादी किसी देश की सबसे बड़ी संपत्ति होती है। ऐसे लोग उस देश को बड़ी से बड़ी चुनौती के भंवर से निकालकर कामयाबी की बुलंदियों तक ले जा सकते हैं। ऐसा मानव संसाधन तैयार करना आसान काम नहीं है। इसके लिए बच्चों को अच्छा माहौल, अच्छी खुराक मिलनी चाहिए। उन्हें स्कूली पढ़ाई के दौरान ही देशप्रेम और ईमानदारी के संस्कार देने जरूरी होते हैं। उनके लिए ऐसे इंतजाम हों कि पढ़ाई के बाद किसी को बेरोजगारी का दंश न झेलना पड़े। ऐसा नहीं होना चाहिए कि बच्चे अपनी जरूरत की छोटी-छोटी चीजों के लिए भी तरसें। अब तक कितने राज्यों की सरकारें ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित कर पाई हैं? जब किसी मेहमान को न्योता भेजा जाता है (जो कि कुछ घंटों या दिनों के लिए ही आता है) तो उसके स्वागत-सत्कार, खानपान और आराम के लिए इंतजाम किए जाते हैं। क्या यह उचित नहीं है कि जो बच्चे इस दुनिया में आने वाले हैं, जिन्हें कई दशकों तक यहां रहना है, उनके लिए संबंधित सरकारें भी पहले से पर्याप्त इंतजाम करें? नेतागण पहले सरकारी स्कूलों की हालत तो सुधार दें, सरकारी अस्पतालों की कुछ फिक्र कर लें, बेरोजगारी से परेशान युवाओं को थोड़ी राहत दे दें ... उसके बाद विवेकपूर्ण तरीके से विचार करते हुए ही आबादी बढ़ाने को लेकर कोई बयान दें।

ट्वीटर टॉक

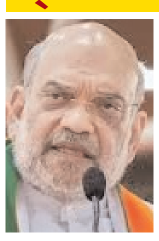

वर्ष 1943 में आज ही के दिन नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी ने 'आजाद हिंद फौज' के सेनापति के रूप में भारत की प्रथम स्वतंत्र सरकार की घोषणा की और इस दिन को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया। यह ऐतिहासिक कदम अंग्रेजी हुकूमत के ताबूत में आखिरी कील साबित हुआ।

-अमित शाह

भारत की सेवा, सुरक्षा और शांति के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले पुलिसकर्मियों को नमन। आपका साहस और समर्पण आज, कल और हमेशा राष्ट्र स्मृति में अमर रहेगा।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य मजबूत होते कूटनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों पर विस्तृत चर्चा हुई। राजस्थान में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण, उद्योग-अनुकूल नीतियों तथा आधुनिक अवसंरचना विकास को लेकर सार्थक विचार-विमर्श किया गया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संगति का कर्मफल

एक बार राजा पुरुरवा ब्रह्माजी के पौत्र महर्षि कश्यप से राजधर्म का उपदेश लेने पहुंचे। महर्षि को पता था कि एक दुर्व्यसनी को सलाहकार बनाने के कारण पुरुरवा की प्रजा दुखी है। महर्षि कश्यप ने राजा से कहा, 'राजा को स्वयं पूर्ण सदाचारी व धर्मपरायण होना चाहिए। साथ ही प्रधानमंत्री व मंत्री ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना चाहिए, जो नैतिक गुणों से संपन्न हो।' राजा पुरुरवा ने प्रश्न किया, 'भगवन, पृथ्वी तो पापियों और पुण्यात्माओं को समान रूप से धारण करती है। सूर्य बुरे-भले को समान ऊर्जा देते हैं। वायु और जल भी बुरे और भले दोनों का पोषण करते हैं, तो फिर कर्मफल में अंतर कैसे पड़ा?' महर्षि ने कहा, 'राजन, मां अपने दो पुत्रों को अपना एक-सा दूध पिलाकर पुष्ट करती है, लेकिन आगे चलकर एक पुत्र संतजनों और अच्छे लोगों का सत्संग कर सत्कर्म करता है और ख्याति प्राप्त करता है। वहीं दूसरा कुसंग में पड़कर दुर्व्यसनी बनकर अपराधों में लिप्त हो जाता है। इसलिए कुसंगी, दुर्व्यसनी से दूर रहना और सदपुरुषों का संग करना बहुत आवश्यक है।' राजा की जिज्ञासा शांत हो गई। उसने प्रजा की ओर ध्यान देना शुरू कर दिया।

सामयिक

भारत विरोधी ताकतों का नया शिगूफा है विमानों में बम की धमकी!

मनोज कुमार अग्रवाल
मोबाइल : 9219179431

देश में विमानों को उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जो काफी चिंता की बात है,भारत के आसमान में हाल ही में बम धमकी की घटनाओं ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। देशभर की एयरलाइंस को एक हफ्ते में 75 से ज्यादा बम की धमकियाँ मिली हैं, जिनमें से अधिकांश झूठी साबित हुईं। इन घटनाओं ने यात्रियों में डर और असुविधा का माहौल पैदा किया है, जबकि एयरलाइंस और सुरक्षा एजेंसियों पर अतिरिक्त दबाव बना है। इस संदर्भ में नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो और अन्य संबंधित एजेंसियाँ लगातार प्रयासरत हैं कि जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान हो।

आपको बता दें कि सिर्फ शनिवार 19 अक्टूबर 2024 को ही 30 से अधिक विमानों को बम की धमकी मिली, जिससे हवाई सुरक्षा में चिंता बढ़ गई। अब तक कुल 75 विमानों को धमकियाँ मिल चुकी हैं। इन विमानों में विस्तारा, इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट,अकासा, स्टार एअर और एलायंस एयर शामिल थीं। इस बीच, मुंबई से कोलंबो जा रही एक विसतारा की फ्लाइट में बम की खबर मिलने के बाद सभी 96 यात्रियों और 8 क्रू सदस्यों को सुरक्षित उतारा गया। इसके अलावा कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को भी धमकियों का सामना करना पड़ा। हालाँकि जाँच के बाद यह पाया गया कि अधिकांश धमकी फर्जी थीं। यह भी बता दें कि हर एक फर्जी धमकी के बाद होने वाली जाँच और प्रोटोकॉल को पूरा करने में काफी समय और पैसा खर्च होता है। ऐसी हर एक धमकी पर 3 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक, इन धमकियों से अब तक 200 करोड़ से अधिक का नुकसान हो चुका है। साथ ही यात्रियों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है।क्योंकि फर्जी कॉल से आम सवारियों की सांसें हवा में ही अटक जाती है। इसके साथ ही सरकार और विमानन कंपनियों के भी हाथ पांव ठंडे पड़ने लगते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार और विमानन कंपनियों के तरफ से उठाये जा रहे सख्त कदमों के बावजूद ऐसी धमकियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। इससे तो यही साबित होता है कि ऐसा करने वालों को किसी भी प्रकार का डर या भय रही है। हवाई यात्रा को बेहद सुरक्षित और सुगम्य साधन माना जाता है। रेलगाड़ियों में भीड़भाड़ और अधिक समय लगने से यात्रियों का एक बड़ा वर्ग हवाई यात्रा को प्राथमिकता देता है। मगर यहां भी लेटलतीफी, उड़ानों के रद्द होने और विमानों में बम रखे जाने के फर्जी संदेशों तथा धमकियों ने उन्हें मुश्किल में डाल दिया है। यह एक बड़ा सवाल है कि सोशल मीडिया मंच से या ई-मेल भेज कर कोई इस तरह खुलेआम धमकी कैसे दे सकता है। यह हाल तब है जबकि ऐसे फर्जी संदेशों को पकड़ने की आधुनिक तकनीक हमारे पास उपलब्ध है। फिर भी सुरक्षा एजेंसियां झूठी धमकियां देने वालों का पता नहीं लगा पार्टी। आरोपी कहीं भी बैठ कर अपनी हरकत दोहराते रहते हैं। ऐसी घटनाओं से जहां एक ओर सुरक्षित यात्रा के प्रति भरोसा टूटता है, वहीं यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ जाती है। इसके साथ ही विमानों में बम की 1 फर्जी कॉल से किसी भी विमानन कंपनी का कम से कम 3 करोड़ रुपये स्वाहा हो जाते हैं। इन शरारती तत्वों ने पिछले कुछ दिनों में करीब 75 विमानों में बम होने की धमकी दी है, जिससे करीब 200 करोड़ रुपये के नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। बम की झूठी धमकी को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं कि कहीं यह वित्तीय आतंकवाद का हिस्सा तो नहीं है? एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 14 अक्टूबर को 130 टन जेट ईंधन से लदे एयर इंडिया बोइंग 777 विमान ने मुंबई से न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे के लिए 16 घंटे की नॉनस्टॉप उड़ान भरी। हालांकि, उड़ान भरने के तुरंत बाद एयरलाइन को बम की धमकी मिली। इस कारण एयर इंडिया के इस विमान को न्यूयॉर्क के जेएफके हवाई अड्डे पर ले जाने के बजाय दो घंटे के भीतर दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह घटना न केवल सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है, बल्कि एयरलाइन के लिए एक महंगा सौदा भी है।

यात्रियों, सामान और कार्यों के साथ विमान का करीब 340-350 टन के बीच था। बोइंग

777 विमान की लैंडिंग का अधिकतम वजन 250 टन है। सुरक्षित रूप से उतरने के लिए चालक दल को लगभग 100 टन इंधन फेंकना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे न केवल ईंधन की बर्बादी हुई, बल्कि इंधन की लागत के तौर 1 करोड़ रुपये का भी नुकसान हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरजेंसी लैंडिंग के विमान में सवार 200 से अधिक यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को होटल में ठहरने की व्यवस्था, छूटे हुए कनेक्शन के लिए मुआवजा, गहन जांच के लिए विमान को रोकना और नए चालक दल की व्यवस्था करने में विमानन कंपनी को अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है, जिससे उड़ान की लागत बढ़ जाती है।

एविएशन इंडस्ट्रीज के सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि विमान में बम होने की फर्जी कॉल से विमानन कंपनियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एयरलाइन अधिकारियों ने विमान में फर्जी कॉल को वित्तीय आतंकवाद बताया है और उन्होंने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उनका कहना है कि त्योहारों का सीजन है और विमानने यात्रियों में डर का माहौल पैदा नहीं करना चाहते। यही कारण है कि एयरलाइंस किसी भी खतरे को हल्के में नहीं ले रही हैं, भले ही उन्हें विश्वसनीय माना जाए या नहीं। बम की झूठी धमकियों से सरकार भी तंग आ चुकी है। इसको देखते हुए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिक उड्यन मंत्री के राममोहन नायडू ने संकेत दिया है कि मंत्रालय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उरुयन नियमों में संशोधन पर काम कर रहा है। विमानन मंत्रालय इस तरह के खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय नियमों की समीक्षा कर रहा है। इसके अलावा मंत्रालय बम की धमकी के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों को नो-फ्लाई सूची में रखने का भी निर्णय ले चुका है। इसके अलावा सरकार भी इन घटनाओं के मद्देनजर, गृह मंत्रालय ने कई सुरक्षा एजेंसियों जैसे कि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नागरिक उड्डयन ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी और खुफिया ब्यूरो को निर्देश दिया है कि वे इन धमकियों की समीक्षा करें और समय-समय पर अपडेट प्रदान करें। बम की धमकियों के घटनाक्रम बेहद चिंतनीय विषय है, क्योंकि यह बेहर संवेदनशील विषय है। यात्रियों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित होनी चाहिए और अच्छी बात है कि किसी भी धमकी को एयरलाइंस कंपनियां हल्के में नहीं ले रही है। मगर सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर यह सिलिसला कब तक चलता रहेगा? जरूरी है कि सुरक्षा एजेंसियां और सक्रिय हो और उन जड़ों तक पहुंचे जहां से धमकी भरे फोन या ईमेल आ रहे हैं। साफ है कि यह सब कुछ साजिश के तहत किया जा रहा है और इसके पीछे डर और भय का माहौल पैदा करना है। इसलिए ऐसा करने वाले लोग अगर पकड़े जाते हैं, तो उनके विरुद्ध सख्त धाराओं के तहत मामले दर्ज होने चाहिए। फिलहाल जरूरत है कि धकमियों के सिलसिले तो खत्म करने के लिए सभी प्रकार के कदम उठाए जाए, ताकि यात्रियों को आए दिन धमकियों का सामना नहीं करना पड़े।उम्मीद यही की जा सकती है कि इस मामले में हमारी सुरक्षा एजेंसियों को जल्द ही कामयाबी मिलेगी।

बम की इन फर्जी धमकियों को रोकने के लिए सरकार भी सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय अन्य संबंधित मंत्रालयों के साथ मिलकर विमान अधिनियम-1934 और विमान नियम-1937 में संशोधन करने की दिशा में काम कर रहा है। इस संशोधन के तहत फर्जी धमकी देने वालों को 5 साल की सजा और नो-फ्लाई लिस्ट में डालने की सिफारिश की जा रही है। कानून और गृह मंत्रालय के परामर्श से एक समिति गठित की जाएगी, जो इस संशोधन का मसौदा तैयार करेगी।दरअसल अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार किसी भी धमकी की सूचना के बाद विमान को लेंड कर उसकी सघन जांच करना जरूरी होता है। इस नियम के कारण परेशानी बढ़ रही है और धमकी देने वाले मजा ले रहे हैं।

मंथन

वैश्विक युद्ध का तीसरा मोर्चा उत्तरी कोरिया

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

क्या संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका बेमानी हो गई हैं। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज़ एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा हैश्र उत्तर कोरिया में दक्षिण कोरिया के सामरिक एवं महत्वपूर्ण ड्रोन का उत्तर कोरिया के हवाई क्षेत्र में सर्वे करने के दौरान उत्तर कोरिया ने इसे चिन्हित कर अपनी संप्रभुता की सीमाओं पर हमला करार किया है और स्पष्ट रूप से कह दिया है कि यदि दक्षिण कोरिया अपने ड्रोन इसी तरह उत्तर कोरिया की सीमा पर भेजेगा तो उत्तर कोरिया इसे अपने पर हमला मानेगा और इसका मुंह तोड़ जवाब देने के लिए उत्तर कोरिया तैयार है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर बड़े हमले की चेतावनी भी दे डाली है। इन परिस्थितियों में विश्व में चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध तथा इसराइल हमास लेबनान ईरान युद्ध के अलावा उत्तर कोरिया ने हमले की धमकी देकर एक नये युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। यह तो सर्व विदित है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन एक सनकी तानाशाह है और अमेरिका पर परमाणु युद्ध के हमले की गाहे-बगाहे धमकियां भी दिया करता है। उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी हिमाकत पर उस पर हमला कर सकता है। उधर रूस यूक्रेन युद्ध को 2 वर्ष पूरे हो चुके है कई प्रभावशाली प्रयासों के बाद भी युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है रूस के व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेन्स्की हास्य कलाकार होने के बावजूद यूक्रेन के लिए त्रासदी के नायक बन गए हैं। दोनों देशों में हजारों नागरिक एवं सैनिक मारे जा चुके हैं इसके अलावा अरबों डॉलर की संपत्ति का भारी नुकसान भी हुआ है। इसराइल हमास लेबनान तथा ईरान के मध्य युद्ध अपने पूरे शबाब पर हैश्र इजरायल के आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के कमांडर याह्या सिंनवार को रॉकेट लांचर से मार देने के बाद इसके जवाब में लेबनान से इजरायल के सिरोसिया शहर में जहां इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का आधिकारिक निवास है में लगभग 55 रॉकेट लांचर दागे थे इसराइल के प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी सारा घर से बाहर होने के कारण पूरी तरह सुरक्षित हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने बयान में बताया की इस तरह के और हमले अभी जारी रहेंगे। पूरा विश्व इस समय विश्व युद्ध की कगार पर है और यदि उत्तर तथा दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका साउथ कोरिया की तरफ से एवं रूस, चीन नॉर्थ कोरिया की तरफ से इस युद्ध में शामिल हो सकते हैं। पूरा विश्व दो भागों में बट गया है एक तरफ रूस,चीन, नॉर्थ कोरिया, पाकिस्तान तथा पश्चिम एशिया के देश होंगे तथा दूसरी तरफ अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, इजरायल तथा अन्य देश के युद्ध में शामिल होने की संभावना बलवती हो रही है। भारत लगातार रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास युद्ध को रोकने के लिए प्रयासरत है और इस प्रयास के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने रूस तथा यूक्रेन की आधिकारिक यात्राएं भी की है। परंतु दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के अडियल रवैये के कारण शांति वार्ता संभव नहीं हो पाई, परंतु जैसा पुतिन ने अपने वक्तव्य में बताया की रूस यूक्रेन के साथ युद्ध विराम शांतिपूर्वक तरीके से करना चाहता है पर यूक्रेन इस वार्ता से पीछे हटकर अमेरिका तथा नाटो देशों के दम पर इनकार कर दिया हैश्र रूस यूक्रेन युद्ध से अमेरिका रूस का बड़ा विरोधी बनकर लगभग 15 साल पीछे जा चुका है एवं उसकी मुद्रा डॉलर की कीमत भी अब वैश्विक स्तर पर काम होते जा रही है। रूस के नुकसान के साथ-साथ अमेरिका को भी काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी हैश्र पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा रूस के लिए और शांति प्रयासों के लिए फिक्रमंद रहते हैं यह यह तथ्य वैश्विक शांति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी है और भारत के प्रधानमंत्री को उन्होंने रूस आमंत्रित भी किया है। पूरी दुनिया वैश्विक युद्ध के परिणाम से अच्छे तरह से वाकिफ है पूर्व के विश्व युद्ध में जापान के नागाशाकी तथा हिरोशिमा की भयानक मानवीय त्रासदी को हर देश के नागरिक अच्छे से महसूस करते हैं। अतः विश्व युद्ध को हर संभव प्रयासों से रोका जाना चाहिए अन्यथा विश्व युद्ध मानवता के विकास के लिए एक बडा अवरोध और विनाशक होगी।

नजरिया

बोतलबंद पानी में मिले हानिकारक केमिकल्स

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

बर्मिंघम और हैनान यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के एक नए और ताज़ा खुलासे में दुनियाभर के पीने के पानी में हानिकारक केमिकल्स पाए गए है। शोध रिपोर्ट के मुताबिक बोतलबंद पानी के 99 प्रतिशत नमूनों की जाँच में पेरफ्लूरूक्टेन सल्फोनेट नामक खतरनाक केमिकल्स मिले है। कुल 153 नमूनों की जाँच में विभिन्न देशों के बोतलबंद पानी में पीएफएएस का स्तर अलग अलग है। इससे पूर्व भी अनेक रिपोर्टों में बोतल बंद पानी को लेकर कई प्रकार के खुलासों में इन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया था। पीएफएएस अत्यधिक फ्लोराइड युक्त पदार्थों का एक वर्ग है, जो लोगों और पर्यावरण के लिए खतरा पैदा करता है। पेरफ्लूरूक्टेन सल्फोनेट और पेरफ्लूरूक्टैनोइक एसिड से अंगों को नुकसान और कैंसर की बीमारी हो सकती हैं साथ ही ये अंतःस्रावी तंत्र के काम को रोक सकते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में बोतल बंद पानी की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि यह पानी पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए कितना सुरक्षित है। रिपोर्ट के मुताबिक, हर मिनट 10 लाख बोतलें बेची जा रही हैं। इस बढ़ती मांग ने न केवल कच्चे माल की खपत और प्लास्टिक कचरे को बढ़ाया है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डाला है। रिपोर्ट में बताया गया है बोतलबंद पानी में दूषित पदार्थों का स्तर 10 से 78 प्रतिशत तक हो सकता है इनमें माइक्रोप्लास्टिक भी शामिल हैं। ये प्रदूषक हार्मोनल असंतुलन, ऑक्सीडेटिव तनाव, और प्रतिरक्षा प्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अलावा, प्लास्टिक के घटकों में पाए जाने वाले बीपीए जैसे केमिकल्स उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह और मोटापे जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

आजकल बोतल का पानी पीने का रिवाज व्यापक रूप से प्रचलन में है। घर हो या बाहर हर जगह बोतल का पानी सर्व सुलभ है। इस पर अनेकों शोध होकर बोतल बंद पानी को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया गया है। कुछ दिनों पूर्व अमेरिका में हुए एक अध्ययन में सामने आया है कि दुकानों में बिकने वाले बोतलबंद पानी में लाखों छोटे-छोटे प्लास्टिक के कण होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को प्रभावित कर सकते हैं। शोध में स्पष्ट रूप से इस पानी को जहरीला बताया। रिपोर्ट में बताया गया है पानी की बोतल में मिलियन की संख्या में छोटे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को हानि पहुंचा सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने पहली बार दोहरे लेजर का उपयोग करके माइक्रोस्कोप द्वारा पता लगाया है कि बोतलबंद पानी के औसत लीटर में दो मिलियन से

अधिक छोटे नैनोप्लास्टिक के अदृश्य टुकड़े होते हैं। कोलंबिया एंड रटगर्स यूनिवर्सिटीज के शोधकर्ताओं पता लगाया है कि तीन कॉमन बोतलबंद वाटर ब्रांड के प्रत्येक के पांच नमूनों को देखते हुए पाया एक लीटर पानी में 110,000 से 400,000 प्लास्टिक के टुकड़े थे, जो औसतन लगभग 240,000 हैं। ऐसे कण हैं जिनका आकार एक माइक्रोन से भी कम है। एक इंच में 25,400 माइक्रोन होते हैं - जिन्हें माइक्रोमीटर भी कहा जाता है क्योंकि यह एक मीटर का दस लाखवां हिस्सा होता है। एक इंसान का बाल लगभग 83 माइक्रोन चौड़ा होता है। अध्ययनों में थोड़े बड़े माइक्रोप्लास्टिक्स पाए गए थे जिनकी रेंज 5 मिलीमीटर से लेकर एक चौथाई इंच से भी कम, एक माइक्रोन तक है। अध्ययन में पाया गया कि बोतलबंद पानी में माइक्रोप्लास्टिक की तुलना में लगभग 10 से 100 गुना अधिक नैनोप्लास्टिक पाए गए। आज घर घर में प्लास्टिक ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। एक मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार प्लास्टिक की बोलत में पानी पीने से डायबिटीज सहित शरीर के विभिन्न अंगों में स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या भी हो सकती है। ये बोलतें बाइफिनाइल एक एस्ट्रोजन-मिमिकिंग केमिकल होता है, जो डायबिटीज, मोटापा, प्रजनन संबंधी समस्याएं, व्यवहार संबंधी समस्याएं और लड़कियों में जल्दी प्यूबर्टी का कारण बनता है। बताया जाता है प्लास्टिक से होने वाली हानि से सुरक्षित रहने के लिए प्लास्टिक की बोतल के बजाय तांबे, कांच या स्टेनलेस स्टील की बोतल से पानी पीना अधिक सुरक्षित है। विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में जो निष्कर्ष सामने आए हैं उनके मुताबिक बोतलबंद पानी पर निर्भरता से स्वास्थ्य, धन और पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। ऐसे में इसके बढ़ते उपयोग पर दोबारा विचार करने की जरूरत है। सरकारों को भी, खास तौर पर कमजोर देशों में सुरक्षित पेयजल से जड़े बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चीन ने रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी-शी की मुलाकात के बारे में पूछे गए सवालों को टाला

बीजिंग/भाषा

चीन के विदेश मंत्रालय ने रूस में इस सप्ताह ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच संभावित मुलाकात के बारे में सोमवार को पूछे गए सवालों को टाल दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, ''अगर कोई बात सामने आती है तो हम आपको सूचित करेंगे।''

रूस के कजान में मंगलवार को शुरू हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी और शी भाग ले रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को नई दिल्ली में कहा कि भारत और चीन के वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने के बारे में एक समझौते पर पहुंच गए हैं। मिस्री द्वारा घोषित समझौते पर बीजिंग से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के संबंधों में खटास आ गई थी। इस झड़प को पिछले कई दशक में दोनों देशों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष माना जा रहा है।

चीन ने पिछले शुक्रवार को घोषणा की थी कि शी रूस में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, जहां वह 'ग्लोबल साउथ' के लिए एकजुटता हासिल करने के वास्ते एक नये युग की शुरुआत को लेकर अन्य पक्षों के साथ मिलकर काम करेंगे।

आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों या विकासशील देशों को 'ग्लोबल साउथ' कहा जाता है।

ब्रिक्स में मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को नये सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है। इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय ''न्यायपूर्ण वैश्विक विकास एवं सुरक्षा के लिए बहुपक्षवाद को मजबूत करना'' है।

मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि शी छोटे-समूह और बड़े-समूह की बैठकों, 'ब्रिक्स प्लस' संवाद में भाग लेंगे और अपने महत्वपूर्ण विचार भी रखेंगे। उन्होंने कहा कि शी अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य, ब्रिक्स व्यावहारिक सहयोग, ब्रिक्स तंत्र के विकास और आपसी हितों के महत्वपूर्ण मुद्दों पर अन्य नेताओं के साथ गहन विचारों का आदान-प्रदान भी करेंगे। उन्होंने कहा, ''चीन अन्य पक्षों के साथ मिलकर ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के सतत विकास के लिए प्रयास करने को तैयार है, ताकि ग्लोबल साउथ के लिए एकजुटता के माध्यम से ताकत हासिल करने और संयुक्त रूप से विश्व शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए एक नये युग की शुरुआत की जा सके।''

भारत में जितना कम प्रदूषण होगा, हमें उतना ही कम झेलना पड़ेगा : भूटानी प्रधानमंत्री

नई दिल्ली/भाषा। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे ने सोमवार को कहा कि अगर भारत में प्रदूषण का स्तर कम होगा, तो उनके देश को भी कम प्रदूषण झेलना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत एक उन्नत राष्ट्र बनने के साथ ही उनके देश के लिए भी स्वच्छ हवा सुनिश्चित करेगा।

तोबगे ने कहा, भारत में जितना कम प्रदूषण होगा, हमें (भूटान को) उतना ही कम प्रदूषण झेलना पड़ेगा, क्योंकि हमारी अधिकांश हवा, वास्तव में सारी हवा, भारत से होकर बहती है... भारतीय उपमहाद्वीप से भूटान में। और हां, हम न केवल जलवायु परिवर्तन, बल्कि प्रदूषण का भी खामियाजा भुगत रहे हैं।

एनडीटीवी विश्व शिखर सम्मेलन के एक सत्र में भूटानी प्रधानमंत्री ने कहा, मैं कई कारणों से भारत को एक उन्नत राष्ट्र बनते देखने की जल्दबाजी में हूं। जब आप (भारत) उन्नत हो जाएंगे, तो वायु प्रदूषण अपने आप कम हो जाएगा और हम स्वच्छ हवा का आनंद ले सकेंगे...।

तोबगे ने कहा कि वह नियोजित सत्र के बाद हाइड्रोजन ईंधन बस से शहर की यात्रा को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ...यह बस यात्रा मेरे लिए अत्यधिक प्रतीकात्मक होने वाली है। हमें उम्मीद है कि हम जलविद्युत ऊर्जा का इस्तेमाल कर हरित, नवीकरणीय हाइड्रोजन का उत्पादन करने में सक्षम होंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे कैसे देखते हैं, यह सदी भारत की हो सकती है, लेकिन आप हमें नजरअंदाज नहीं कर सकते।

तोबगे ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' (दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील, कम विकसित और अविकसित देश) नेतृत्व के लिए भारत की तरफ देखता है और अगर कोई ऐसा देश है, जो आज के दौर की समस्याओं को सुलझा सकता है, तो वह भारत है। उन्होंने कहा, चाहे आर्थिक समस्याएं ही क्यों न हों, दुनिया भारत को एक बाजार के रूप में देखती है...कोविड-19 महामारी के दौरान... दुनिया ने टीकों और दवाओं के लिए भारत की ओर देखा, यहां तक कि रूस और यूक्रेन ने भी, मुझे यकीन है कि अगर कोई व्यक्ति इसे सुलझा सकता है.।

समारोह

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोमवार को पटना में बिहार के पहले मुख्यमंत्री कृष्ण सिंह की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए।

ऑस्ट्रेलिया की सांसद ने राजा चार्ल्स से कहा : आप मेरे राजा नहीं हैं

कैनबरा/एपी

ऑस्ट्रेलियाई संसद का दौरा करने पहुंचे राजा चार्ल्स तृतीय से यहां की एक सांसद ने सोमवार को कहा कि यह देश ब्रिटेन के राजा की जमीन नहीं है।

आदिवासी सांसद लिडिया थोर्पे ने शाही दंपति के संसद में पहुंचने पर चिल्लाते हुए कहा कि ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की जमीनें और हड्डियां तक छीन ली थीं, जिसके बाद उन्हें (थोर्पे) को संसद से बाहर ले जाया गया। थोर्पे ने कहा, आपने (ब्रिटेन के राजा) हमारे लोगों का कत्लेआम किया। आपने हमारा जो भी लिया है, हमें लौटाइए- चाहे वे हमारी हड्डियां, हमारी खोपड़ियां, हमारे बच्चे और हमारे लोग ही क्यों न हों। आपने हमारी धरती तबाह कर दी।

हमारे साथ संधि कीजिए। हमें संधि चाहिए। ब्रिटिश उपनिवेशवादियों और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों (आदिवासियों) के बीच आज तक कोई संधि नहीं हुई। चार्ल्स ने तुरंत ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से दबी आवाज में कुछ बातचीत की और सुरक्षा अधिकारियों ने थोर्पे को उनके करीब जाने से रोक दिया।

सभागार से बाहर थोर्पे ने चिल्लाते हुए कहा, यह आपकी (चार्ल्स) जमीन नहीं है। आप मेरे राजा नहीं हैं।

थोर्पे को उनके कई चर्चित विरोध प्रदर्शनों के लिए जाना जाता है।

बालीवुड के रिबेल स्टार थे शम्मी कपूर

जन्मदिन विशेष

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में शम्मी कपूर का नाम ऐसे अभिनेता के तौर पर याद किया जाता है,जिन्होंने उमंग और उत्साह के भाव को सिल्वर स्क्रीन पर बेहद रोमांटिक अंदाज में पेश किया। शम्मी कपूर को रिबेल स्टार, विद्रोही कलाकार, की उपाधि इसलिये दी गयी क्योंकि उदासी , मायूसी और देवदास नुमा अभिनय की परम्परागत शैली को बिल्कुल नकार करके अपने अभिनय की नयी शैली विकसित की। शम्मी कपूर का जन्म 21 अक्टूबर 1931 को मुंबई में हुआ। शम्मी कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली। शम्मी कपूर के पिता पृथ्वीराज कपूर फिल्म इंडस्ट्री के महान अभिनेता थे। घर में फिल्मी माहौल होने पर शम्मी कपूर का रूझान भी अभिनय की ओर हो गया और वह भी अभिनेता बनने का ख्वाब देखने लगे। वर्ष 1953 में प्रदर्शित फिल्म जीवन ज्योति से बतौर अभिनेता शम्मी कपूर ने फिल्म इंडस्ट्री का रूख किया।वर्ष 1953 से 1957 तक शम्मी कपूर फिल्म इंडस्ट्री मे अपनी जगह बनाने के लिये संघर्ष करते रहे। इस दौरान एक के बाद एक उन्हें जो भी भूमिका मिली उसे वह स्वीकार करते चले गये। उन्होने ठोकर, लडकी, खोज, महबूबा, एहसान, चोर बाजार, तांगेवाली, नकाब, मिस कोकोकोला, सिपहसालार, हम सब चोर है और मेम साहिब जैसी कई फिल्मों मे अभिनय किया लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुयी।

शम्मी कपूर जब फिल्म इंडस्ट्री में आये तो उनका फिगर, आड़ी तिरछी अदायें और बॉडी लैंग्वज फिल्म छायांकन की दृष्टि से उपयुक्त नही थे लेकिन बाद में यही अंदाज लोगो के बीच आकर्षण का केन्द्र बन गया। उनके लिये संगीतकारों ने फड़कता हुआ संगीत युवा मन को बैचेन करने वाले बोल और गीतकारों को संगीतकारों के तैयार की गयी धुन का बारीकी से अध्ययन करके गीत लिखने पड़े। इसे देखते हुए महान पाश्वगायक मोहम्मद रफी ने अपनी मधुर आवाज से जो शैली तैयार की वह उनके लिये सर्वथा उपयुक्त साबित हुयी। वर्ष 1955 में शम्मी कपूर ने फिल्म अभिनेत्री गीताबाली से शादी कर ली। यह शादी जिन परिस्थितियों में हुई वे काफी दिलचस्प हैं। फिल्म इंडस्ट्री में गीताबाली उनसे काफी सीनियर थी। शम्मी कपूर और गीताबाली की जोड़ी फिल्म मिस कोका कोला के दौरान सुर्खियों मे आई थी। इसके बाद दोनों ने साथ में केदार शर्मा की फिल्म 'रंगीन रातें' में भी काम किया। बताया जाता है कि केदार शर्मा की फिल्म 'रंगीन रातें' के निर्माण के दौरान फिल्म अभिनेत्री माला सिन्हा और गीता बाली में शम्मी कपूर को लेकर झगड़ा हो गया था। बाद में केदार शर्मा के समझाने बुझाने पर दुबारा से फिल्म की शूटिंग शुरू हुयी।फिल्म की शूटिंग होने के बाद शम्मी कपूर और गीताबाली जब मुंबई लौटकर आये तो दोनो ने निश्चय किया कि लोग उनके बारे में उल्टी सीधी बात कर रहे है। अत: दोनों को शादी कर लेनी चाहिये। चार अगस्त 1955 को शम्मी कपूर ने गीताबाली को फोन किया और कहा 'मै तुम्हें लेने आ रहा हू। जब शम्मीकपूर गीता बाली को लेने उनके घर पहुंचे तो काफी रात भी हो चुकी थी और बारिश भी हो रही थी। दोनो मंदिर में गये। उस समय रात हो गयी थी। दोनो मंदिर में ही रूके रहे। जब सुबह चार बजे पुजारी ने मंदिर में प्रवेश किया तो तभी उनकी शादी हो सकी। शम्मी कपूर के अभिनय का सितारा निर्देशक नासिर हुसैन की वर्ष 1957 में प्रदर्शित फिल्म 'तुमसा नहीं देखा' से चमका। बेहतरीन गीत, संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की कामयाबी ने शम्मी कपूर को ,स्टार, के रूप में स्थापित कर दिया। आज भी इस फिल्म के सदाबहार गीत दर्शकों और

श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।साठ के दशक में शम्मी कपूर शोहरत की बुंलदियों पर जा पहुंचे।

जब कभी फिल्म निर्माताओं को किसी नयी नायिका को फिल्म इंडस्ट्री में स्थापित करने का मौका देना होता था, वे उसे शम्मी कपूर की नायिका के रूप में अपनी फिल्म में लेते थे। इन नायिकाओं में सायरा बानो (जंगली) आशा पारिख (दिल दे के देखो) साधना राजकुमार और शर्मिला टैगोर (कश्मीर की कली) शामिल है। आज के दौर में इंटरनेट के कई लोग दीवाने है। दिलचस्प बात यह है कि शम्मी कपूर फिल्म इंडस्ट्री में ही नहीं, देश मे भी इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले कुछ प्रारंभिक लोगों में है।

नियुक्ति पत्र

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना के बापू सभागार में आयोजित ज्वाइनिंग लेटर वितरण समारोह के दौरान नवनियुक्त पुलिस उपनिरीक्षकों को ज्वाइनिंग लेटर प्रदान करते हुए।

पुरस्कार

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सोमवार को अलीगढ़ में राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह से पहले आयोजित प्राथमिक विद्यालय प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

फिल्म 'वनवास' 20 दिसंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। ज़ी स्टूडियो और फिल्मकार अनिल शर्मा की आने वाली फिल्म 'वनवास' 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गदर: एक प्रेम कथा, अपने और गदर 2 जैसी हिट फिल्मों के साथ, ज़ी स्टूडियो

और अनिल शर्मा ने बड़ी सफलता हासिल की है। दशहरे पर उन्होंने अपनी अगली फिल्म 'वनवास' के बारे में एक बड़ी घोषणा की थी।मेकर्स ने फिल्म वनवास के रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में इस वर्ष 20 दिसंबर रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म वनवास में नाना पाटेकर और गदर 2 के स्टार उत्कर्ष शर्मा लीड रोल में नजर आने वाले हैं।अनिल शर्मा द्वारा लिखित, निर्मित और निर्देशित, वनवास ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा दुनिया भर में रिलीज़ होगी।

अभिनेत्री हेमा मालिनी सोमवार को मुंबई एयरपोर्ट पर फोटो खिंचवाती हुई।

नायरा बनर्जी ने शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों के बारे में की खुलकर बात

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री नायरा बनर्जी तेलुगू, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में कई सफल शो देने के बाद अब अपने आगामी शो 'चेकमेट' के लिए तैयार हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने शो में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की और कई खुलासे किए। 'दिव्य दृष्टि' और 'जुबान संभालकर' जैसे टेलीविजन शो में काम कर लोकप्रिय हुईं अभिनेत्री ने साझा किया कि उनके शो में उनका किरदार उनसे काफी मिलता-जुलता है। शो रहस्यमय हत्याओं, रोंगटे खड़े कर देने वाले अपराधों और सस्पेंस से भरा है। शो में वह मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं, जिसमें उनके किरदार का नाम नीलम है। उनका किरदार शो में पति शेखर के साथ घुटन भरे विवाह के बंधन में फंस जाता है। अभिनेत्री ने बताया कि शेखर काफी रहस्यमयी व्यक्ति हैं। नाखुश शादी के इस जाल से बाहर आने का संघर्ष, उनका लचीलापन, ताकत और शक्ति ही शो का सार है। शो के बारे में बात करते हुए नायरा ने कहा 'मेरा मानना है कि यह शो अपने आप में बहुत अच्छी तरह से शूट किया गया है। आज की दुनिया में इस तरह की धोखाधड़ी हमारे समाज में बहुत आम है, लेकिन हम कभी-कभी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे पाते हैं या बात नहीं कर पाते हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वास्तव में इस शो के किरदार ने मुझे इस भूमिका को जीवंत बनाने का मौका दिया। दर्शक देख सकते हैं कि शो हर एपिसोड के साथ अपने रहस्य को कैसे उजागर करता है। शो में नायरा बनर्जी के साथ शालीन मल्होत्रा, रोहित खंडेलवाल और अरफीन अल्वी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। नायरा ने शो को फिल्माने के दौरान अपने सबसे कठिन शॉट को साझा करते हुए कहा 'मेरा मानना है कि एक रहस्य ड्रामा को फिल्माना अपनी अनूठी चुनौतियों के साथ आता है, क्योंकि दर्शकों के लिए एक रोमांचक और रहस्यपूर्ण अनुभव बनाना हमारी जिम्मेदारी है। सबसे कठिन सीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि इनमें से सबसे कठिन हत्या का प्रयास वाला सीन था। उन्होंने कहा 'हमें यह सुनिश्चित करने और सीन को सही तरह से करने के लिए कई बातों का ध्यान रखना पड़ा। इन चुनौतियों के बावजूद, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि परिणाम असाधारण रूप से शानदार रहे।'

फिल्म 'अर्थ' के लिए कोई तैयार स्क्रिप्ट नहीं थी : शबाना आजमी

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड और समानांतर सिनेमा की अभिनेत्री शबाना आजमी की मानें तो फिल्म 'अर्थ' की शूटिंग रुक-रुककर हो रही थी यह फिल्म इंदर नामक फिल्म निर्माता (कुलभूषण खरबंदा) के इर्द-गिर्द घूमती है जिनका विवाहेत्तर संबंध एक सफल अभिनेत्री कविता (स्मिता पाटिल) के साथ था इसके कारण वह अपनी पत्नी पूजा (आजमी) से अलग हो जाते हैं जिसके बाद पूजा अपनी असली पहचान की तलाश में निकल पड़ती है। शबाना आजमी को 'अर्थ' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। माना जाता है कि यह फिल्म भट्ट के परवीन बॉबी के साथ विवाहेतर संबंधों के बारे पर आधारित थी।

मुंबई एकेडमी ऑफ मूवी इमेज (एमएएमआई) मुंबई फिल्म महोत्सव में शनिवार को एक सत्र को संबोधित करते हुए आजमी ने कहा, '' वह (भट्ट) एक निजी संकट से गुजर रहे थे। हमारे पास कोई स्क्रिप्ट नहीं थी, हमारे पास एक कहानी का विचार था और जैसे-जैसे हम शूटिंग कर रहे थे, यह सब बहुत ही तदर्थ था। मैं अपने कपड़े पहनती और सेट पर पहुंच जाती। लेकिन उनके अंदर कुछ था। ऐसा लगता था जैसे वह एक बटन दबाते और मैं तुरंत शुरू हो जाती, वह अनुभव अद्भुत था।'' उन्होंने कहा,''उदाहरण के लिए, यदि वह मुझे कोई कठिन दृश्य करने को देते और मुझसे उसे तुरंत करने की अपेक्षा करते तो मैं कहती, 'मैं यह नहीं कर सकती', वह कहते, 'बनावटी विवाद की जरूरत नहीं है, हमारे पास समय नहीं है, बेहतर होगा कि आप इसे करें।''अभिनेत्री (74) ने कहा कि 1970 और 1980 के दशक में महिला कलाकारों को सार्वजनिक सुविधाओं के अभाव से लेकर अंतिम क्षण में संवाद मिलने तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) के बेंगलूरु साऊथ व नार्थ चैप्टर, लेडीज व यूथ विंग की नई प्रबंधन समिति के सदस्यों ने पैलेस ग्राउंड सभागार में शपथ ग्रहण की तथा कार्यनिर्वाह के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जीतो बेंगलूरु साऊथ और नार्थ चैप्टर की नई कार्यकारिणी समिति ने ली शपथ

जीतो के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दिलाई दोनों चैप्टर समितियों को शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) के बेंगलूरु साऊथ व नार्थ चैप्टर, लेडीज व यूथ विंग की नई प्रबंधन समिति के सदस्यों ने पैलेस ग्राउंड सभागार में शपथ ग्रहण की तथा कार्यनिर्वाह के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। रणजीत सोलंकी ने जीतो साऊथ तथा विमल कटारिया ने नार्थ के चेयरमैन पद के लिए शपथ ग्रहण की तथा जैन समाज के समग्र विकास के लिए शिक्षा, सेवा और आर्थिक शक्तिकरण को गति देने के उद्देश्य को सार्थक बनाने में अपने योगदान का वादा किया। कार्यक्रम की शुरुआत बडी संख्या में उपस्थित जीतो एपेक्स, स्थानीय, केकेजी जोन पदाधिकारियों की उपस्थिति में नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। स्वागत करते हुए साउथ और नॉर्थ के क्रमश: पूर्व चेयरमैन दिनेश बोहरा एवं इंदरचंद बोहरा ने पिछले वर्ष के कार्यकाल में अपने अपने चैप्टर द्वारा किए गए कार्य और उपलब्धियों की जानकारी दी एवं सभी का आभार माना। अमीचंद रणजीत सोलंकी और मनोहरलाल विमल चिराग कटारिया परिवार द्वारा प्रायोजित इस कार्यक्रम में जीतो एपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी ने साऊथ और नार्थ चैप्टर के नवनियुक्त बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स व प्रबंधन समिति सदस्यों को शपथ दिलाई।

जीतो की अपेक्षाओं को पूरा करने लिए दृढ़ संकल्पित है : रणजीत सोलंकी

शपथ पश्चात जीतो साऊथ चैप्टर के नए चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने विश्वास दिलाया कि जीतो की अपेक्षाओ पर वे पूरी तरह से खरे उतरने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के विकास के लिए पूर्ण समर्पण भाव और मेहनत से अपना योगदान देंगे। जैन समाज की बेहतरी की दिशा में जीतो की अनेक योजनाओ का हवाला देते हुए रणजीत सोलंकी ने कहा, जीतो साऊथ चैप्टर आने वाले समय में मेगा स्टॉक मार्केट बिजनेस प्रोग्राम, इंडिया 2030 ओपर्च्युनिटी एण्ड चैलेंजस सेमिनार (अवसर व चुनौती संगोष्ठी), स्पोर्ट्स एकेडमी जैसी नई पहल को आयोजित करने की रूप रेखा तैयार कर रहा है ।

पूरी टीम के साथ सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे : विमल कटारिया

जीतो नार्थ चैप्टर के नए चेयरमैन विमल कटारिया ने अपने स्वीकृति भाषण में अनेक परियोजनाओ के बारे में रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि अपने कार्यकाल में वह पूरी टीम के साथ मिलकर सामाजिक विकास, आर्थिक विकास के साथ संतुलित जीवन जैसे अनेक विषयक कार्यक्रम आयोजित करते हुए नए आयाम स्थापित करेंगे। कटारिया ने एपेक्स स्तर पर बडे कनेक्ट ईवेंट्स, कैरियर काऊंसिलिंग, वेल्यू एड्यूकेशन स्कॉलरशिप, संयुक्त ग्लोबल ट्रेड अवसर और उद्योग संबंधित ट्रेड मेला आयोजित करने की मंशा भी व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि दोनों चेप्टर्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि संयुक्त रूप से वे व्यवसाय के विकास व विस्तार के लिए ठोस कदम उठाएंगे, जो राष्ट्र निर्माण में भी प्रभावशाली साबित हो ।

'जीतो' लेडीज व यूथ विंग के पदाधिकारियों ने भी ली शपथ

जीतो केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफ़ना ने दोनों चैप्टर्स की लेडीज विंग की साऊथ चेयरपर्सन बबिता रायसोनी और नार्थ चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफ़ना तथा टीम को शपथ दिलवाई। इसके बाद जीतो यूथ एपेक्स चेयरमैन रजत आर्डी ने जीतो बेंगलूरु यूथ विंग चेयरमैन मेहुल जैन और अनीश भोजानी तथा टीम को शपथ दिलवाई। कार्यक्रम के दौरान जीतो एपेक्स चेयमैन पृथ्वीराज कोठारी, जीतो एपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी और जीतो केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफ़ना ने अपने विचार व्यक्त किए। जीतो के मूल सिद्धांत, यानी सेवा, ज्ञान और आर्थिक सशक्तिकरण को पूरी तन्मयता से अपनाने पर उन्होंने ज़ोर दिया। कोठारी ने जैन सामज की एकता के लिए भागीरथ प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने श्रमण आरोग्यम परियोजना की सराहना की और कहा कि जैन साधु साध्वी भगवंत की सेवा के हितार्थ यह प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण और पुण्यदायी है। जीतो एपेक्स अध्यक्ष विजय भंडारी ने नई टीम को बधाई दी। श्रमण आरोग्यम के चेयरमैन रमेश हरण ने परियोजना पर प्रकाश डाला। इस नेक कार्य को समर्पित परियोजना में छह नए ट्रस्टी सदस्यों के शामिल होने तथा बेंगलूरु साऊथ में सात नए पेट्रन सदस्यों के शामिल होने की घोषणा की गई। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित राज्यसभा सदस्य लहरसिंह सिरोया ने विचार व्यक्त करते हुए जीतो के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। जीतो के वरिष्ठ सदस्यों ने इस समारोह के प्रायोजक अमीचंद रणजीत सोलंकी और मनोहरलाल विमल चिराग सोलंकी परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से किया दीपावली का स्वागत

इस विशेष शाम को दिवाली के स्वागत की खुशियों के नाम किया गया। इस मौके पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें कन्या समूह द्वारा प्रस्तुत रंगारंग संगीत कार्यक्रम को खूब सराहना मिली। कार्यक्रम में शामिल प्रथम 108 परिवारों को 'अर्ली बर्ड' पुरस्कार दिए गए। इसके अलावा लकी ड्रा इनाम भी प्रदान किए गए ।

कार्यक्रम में फूड कमिटी की ज़िम्मेदारी दोनों चेप्टर से नेमीचंद चोपड़ा, महावीर दांतेवाड़िया, राकेश पोकरणा, विनोद नंदावत ने निभाई। कार्यक्रम में संयोजक के रूप में सफ़ल साकरिया, कोमल भंडारी, दिनेश बाफ़ना, राकेश पोकरणा का योगदान उल्लेखानीय रहा। कार्यक्रम में जीतो एपेक्स उपचेयरमैन हिमांशु शाह, उपाध्यक्ष कमलेश सोजतिया, नरेंद्र श्रीश्रीमाल, मंत्री ललितकुमार डाँगी, कोषाध्यक्ष संपतराज चापलोत, श्रमण आरोग्यम उपाध्यक्ष पारस चोवटिया, जेएटीएफ़ अध्यक्ष गौतम जैन, जेएटीएफ़ उपाध्यक्ष रमेशचंद बोहरा, जीतो साऊथ के उपाध्यक्ष महेंद्र जियानी, महेंद्र रांका, राजकुमार कोठारी, राजेंद्र दांतेवाडिया, महामंत्री नितिन लूणिया, कोषाध्यक्ष नेमीचंद चोपड़ा, सहमंत्री कोमल भंडारी, प्रतीक गांधी, सह-कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया, नरेंद्र सकलेचा, जीतो नोर्थ के उपाध्यक्ष कमल पुनमिया, दिनेशकुमार बाफना, महामंत्री विजय सिंघवी, कोषाध्यक्ष नरेंद्रकुमार आच्छा, सहमंत्री अशोक भंडारी, मदन माण्डोत, पंकज बॉलर, प्रीतेश जैन, सहकोषाध्यक्ष किशोर कर्णावत सहित जीतो अपेक्स, स्थानीय चैप्टर, जीतो एपेक्स व केकेजी जोन के सदस्य भी उपस्थित रहे । कार्यक्रम को दीपक श्रीश्रीमाल, सुधीर गादिया, दिलीप जैन, नितिन लूनिया, विजय सिंघवी ने संचालित किया।

देवी पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेजे नगर गौरीपाल्या में आयोजित माता श्री दौड्डुम देवी पूजा उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थितमहेंद्र मुणोत ने विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान भी किया।

प्रेक्षा कल्याण वर्ष में दो दिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रेक्षाध्यान फाउंडेशन के तत्वावधान में विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र के निर्देशन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा विजयनगर द्वारा दो दिवसीय प्रेक्षाध्यान कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रेक्षा प्रशिक्षक दक्षिण संयोजिका तथा विजयनगर प्रेक्षाध्यान केन्द्र की संयोजिका वीणा बैद ने सभी प्रतिभागियों को कार्यशाला की उपयोगिता के बारे मे बताया।प्रेक्षा प्रशिक्षिका सुमन कोठारी ने आभार ज्ञापित किया तथा उद्घाटन सत्र का संचालन महिमा पटावरी ने किया।

दोनों दिन साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने प्रेक्षाचर्या के सूत्र, कायोत्सर्ग के आध्यात्मिक आधार, लाभ और विधि के बारे मे बताया तथा कायोत्सर्ग का प्रयोग भी करवाए। साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने प्रेक्षाध्यान का अर्थ, इतिहास और दर्शन, श्वास प्रेक्षा का दर्शन, वैज्ञानिक आधार व इसके लाभ तथा ज्योति केंद्र प्रेक्षा के वैज्ञानिक आधार, विधि एवं लाभ के बारे मे प्रशिक्षण दिया तथा कायोत्सर्ग का प्रयोग भी करवाया। साध्वीश्री दीक्षाप्रभाजी ने ध्यान का प्रयोग करवाया। प्रथम दिवस के रात्रिकालीन सत्र में आचार्यश्री महाप्रज्ञजी का रिकार्डेड प्रवचन पर आधारित प्रश्नोत्तरी का संयोजन वीणा बैद ने किया। प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्रसिंह मालू ने दीर्घ श्वास प्रेक्षा तथा मंत्र प्रेक्षा का प्रयोग करवाया। प्रेक्षा प्रशिक्षक भंवरलाल मांडोत ने मंगल भावनाओं का प्रयोग करवाया। योगाभ्यास तथा आसनों का प्रयोग नीता सेठिया एवं प्रज्ञा छाजेड़ ने करवाया। समापन सत्र में साध्वीश्री ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए प्रेक्षाध्यान को अपने जीवन मे उतारकर लगातार अभ्यास की प्रेरणा दी। वीणा बैद ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता व धन्यवाद व्यक्त किया।

राजराजेश्वरीनगर ज्ञानशाला 'उत्तम ज्ञानशाला' के अलंकरण से विभूषित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय तेरापंथ सभा आरआर नगर के तत्वावधान में संचालित राजाराजेश्वरीनगर ज्ञानशाल को जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के ज्ञानशाला प्रकोष्ठ द्वारा संचालित ज्ञानशालाओं में अखिल भारतीय स्तर पर 'उत्तम ज्ञानशाला-2022' के सम्मान से सम्मानित किया गया। सूरत में आयोजित राष्ट्रीय ज्ञानशाला प्रशिक्षक सम्मेलन व दीक्षांत समारोह में गुरुदेव के सान्निध्य में ज्ञानशाला संयोजिका प्रिया छाजेड़ ने पुरस्कार ग्रहण किवर। प्रिया छाजेड़ पिछले 13 वर्षों से ज्ञानशाला का संचालन बड़ी मनोयोगपूर्वक कर रही है। उन्होंने ज्ञानशाला के विकास में सभी प्रशिक्षिकाओं, प्रभारी विकास दुगड़ के योगदान को याद किया। वर्तमान में 75 बच्चें ज्ञानशाला के माध्यम से लाभान्वित हो रहे है। तेरापंथी सभा राजाराजेश्वरी नगर के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने कहा कि आज के इस भौतिक युग में बच्चों में संस्कारोपण का कार्य ज्ञानशाला के माध्यम से किया जा रहा है। ज्ञानशाला की उपलब्धि पर उन्होंने प्रिया छाजेड़ के नेतृत्व में सभी प्रशिक्षिकाओं को शुभकामनाएं दी।

'प्रमाद मुक्ति में बाधक है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय हनुमंतनगर स्थित जैन स्थानक में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री धर्मप्रभाजी म. सा. ने कहा कि प्रमाद साधक के मुक्ति में बाधक हैं। अतः प्रभु महावीर की जिनवाणी हमें यही संदेश हित शिक्षा दे रही है कि प्रमाद का त्याग कर आत्म कल्याण का चिंतन समय का साधना करना उत्तम पुरुषों का आचार हैं। संसार में सच्चा साधक वही है जो प्राप्त अनमोल समय का सदुपयोग प्रभु की भक्ति, धर्म की साधना जप-तप, स्वाध्याय, सत्संग के साथ यचा संभव अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दान, सेवा परोपकार करते हुए अपने दुर्लभ मानव जीवन को सार्थक बना लेता है। सफलता का हकदार वही है जो कर्मफल में आसक्त हुए बिना निरंतर अपने कर्म को कर्त्तव्य समझकर करता है। उन्होंने धर्मसभा में उपस्थित मरुधर केसरी गुरु सेना समिति की महिला शाखा के सदस्याओं को धन्यवाद दिया।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने श्रीमद् उत्तराध्ययन सूत्र के इक्कीसवें समुद्रपालीय अध्ययन पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि समुद्रपाल ने आश्रव भावना का चिंतन करते हुए मुक्ति पद को प्राप्त किया था। एक चोर को दण्ड देते देखकर उनकी चिंतनधारा चलती है कि बुरे कर्मों का फल यहां भी संसार में भुगतना पड़ता है। और परलोक में भी वहां जीव को अपने किए अशुभ कर्मों का फल अवश्यमेव भुगतना ही पड़ता है।

इससे अच्छा है कि मैं संसार की इस दु:ख भरी भोग दशा को छोड़कर एकान्त सुखकारी स्थान संयम पथ की अंगीकार कर लेता हूं। साध्वीश्री तीर्थकर के उप अतिशय पर भी सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत की। धर्मसभा में मरुधर केसरी गुरु सेवा समिति की महिला शाखा की अध्यक्षा सरलाबाई दुगड़ के नेतृत्व में पधारी सदस्याओं ने साध्वीवृन्द के दर्शन वंदन, जिनवाणी श्रवण का लाभ लिया। संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया।

राज्य स्तरीय क्रिएटिविटी प्रतियोगिता में शामिल हुए 75 विद्यार्थी

चिकमगलूर/दक्षिण भारत । मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में राज्य स्तरीय क्रिएटिविटी प्रतियोगिता का कार्यक्रम तेरापंथ सभा भवन चिकमगलूर में हुआ। अणुव्रत समिति की ओर से अध्यक्षा मंजू भंसाली ने सभी का स्वागत किया। अणुविभा के संगठन मंत्री एवं -राष्ट्रीय संयोजक राजेश चावत ने अणुव्रत समिति चिकमगलूर की सराहना करते हुए इस प्रतियोगिता में शामिल विद्याथियों को विभिन्न जानकारी दी। इस मौके पर अतिथि के रूप में आई कॉलेज के कुलपति सुब्बाराय, मंगला सुब्बाराय आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस व्यक्तित्व निर्माण से राष्ट्र निर्माण विषयक प्रतियोगिता में कर्नाटक भर से 60 बच्चों ने भाग लिया तथा संगीत, भाषण, कविता,चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता में शामिल हुए। इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष महेन्द्र दोसी, महिला, युवक परिषद सहित अनेक सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। अणुव्रत समिति के मंत्री गौतम आच्छा (कर्नाटक राज्य प्रभारी) द्वारा सर्टिफिकेट एवं मोमेंटो द्वारा बच्चों को प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर उपस्थित 15 निर्णायकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन भरत बरलोटा ने किया।

साधना, संयम व सत्य के त्रिवेणी संगम थे संतश्री पुष्करमुनि : नरेशमुनि

बेंगलूरु श्रावकों ने किया चातुर्मास व पुष्कर आराधना केन्द्र उद्घाटन के लिए निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/रायचूर। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ रायचूर द्वारा श्रमण संघीय उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालीभद्रजी एवं साध्वीश्री मल्लिश्रीजी, आस्थाश्रीजी के सान्निध्य में रायचूर के एक सभागार में साधना के शिखर पुरुष श्रमण संघीय उपाध्याय गुरुदेवश्री पुष्करमुनिजी का 115 वां जयंती समारोह आयोजित किया गया। जयंती समारोह में संतश्री नरेशमुनिजी ने देश के विभिन्न क्षेत्रों से पधारें श्रद्धालुओं को विश्व संत उपाध्याय गुरुदेवश्री पुष्करमुनिजी के गुणों के बारे में बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। पुष्करमुनिजी साधना, संयम व सत्य के त्रिवेणी संगम थे। इस मौके पर संतश्री नरेशमुनिजी ने सिंधनूर निवासी वैरागी लवेश सिंघवी को दीक्षा दिलवाने का आज्ञा पत्र प्रदान किया।

संत पुष्करमुनिजी की जयंती के मौके पर संतों के समक्ष बेंगलूरु के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के अंतर्गत गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र का वर्ष 2025 में उद्धाटन व नरेशमुनिजी के चातुर्मास का निवेदन करने के लिए संघ व गुरुभक्त उपस्थित हुए और सभी ने मिलकर सामूहिक रुप से संतों से चातुर्मास व उद्घाटन के लिए निवेदन किया। गुरुदेव नरेशमुनिजी ने आगामी वर्ष 2025 में होने वाले उद्घाटन पर शामिल होने की घोषणा की व होली चातुर्मास के दौरान आगामी चातुर्मास की घोषणा करने का आश्वासन दिया। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख मार्गदर्शक बाबूलाल रांका, महावीर धारीवाल, अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, मंत्री प्रवीण नेतानी, सहमंत्री विनोद भुरट, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र गुलेछा, सहकोषाध्यक्ष फूलचंदजी लुंकड़ व अन्य ट्रस्टी, नवयुवक मंडल के उपाध्यक्ष राकेश लुंकड़, मंत्री पवन भंसाली, कर्नाटक विहार सेवा के रमेश ख़ाबिया , प्रकाश बोहरा, पारसमम लोढा, महावीर धोका सहित 225 श्रावक श्राविकाएं संतश्री के समक्ष उपस्थित हुए। यह जानकारी ट्रस्ट के महामंत्री महावीरचन्द मेहता ने दी।

केनरा बैंक ऑफिसर्स ऑर्गनाइजेशन के कार्यालय का हुआ विधिवत उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शेषाद्रिपुरम में बने केनरा बैंक ऑफिसर्स ऑर्गनाइजेशन के नए सुसज्जित कार्यालय का उद्घाटन भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिरण्मय पांड्या ने किया। कार्यक्रम में दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा और विकास बोर्ड के अध्यक्ष विरजेश उपाध्याय, अखिल भारतीय सचिव और वित्तीय क्षेत्र प्रभारी गिरीश, उप-प्रभारी (बैंकिंग) चंद्र आर्य रामनाथ किणी, मजदूर संघ के राज्य महासचिव एचएल विश्वनाथ, भोजपुरी समाज सेवा समिति के चेयरमैन संजयसिंह उज्जैन विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस नए कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर 150 बैंक अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में बैंकिंग उद्योग और ट्रेड यूनियनिज्म से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। नितिन कुमार एवं बद्रीनाथ तिवारी व टीम को धन्यवाद दिया गया। महासचिव नवीन सिंह ने पदाधिकारियों की एक बैठक कर भविष्य की नीतियों पर चर्चाएं की।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com